केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचाना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका पुरा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com
के लिये विज्ञापन बुक कराये।
विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम
सम्पर्क
मो0 9336715406
8400925463

भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :49 अंक 120 रविवार 22 नवम्बर 2026 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शिक्षक मुंशी अली मुल्ला का निधन



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। परसरामपुर ब्लॉक के नागपुर टिकायत गांव निवासी मुंशी अली मुल्ला साहब का निधन हो गया। वह करीब 50 वर्षों तक अरबी मदरसे में अध्यापन कार्य करते रहे। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर है। युवा क्रिकेटर शुभम पाण्डेय ने चंदोया एक्सप्रेस की ओर से उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए शोक संवेदना व्यक्त की।

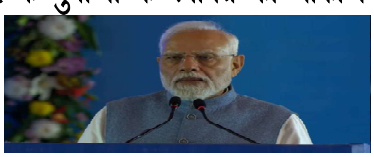
गन्ने की फसल जलाने का आरोप

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। गौर थाना क्षेत्र के सांड़वीडीह गांव में जमीन विवाद को लेकर एक परिवार ने विपक्षियों पर गन्ने की खड़ी फसल में आग लगाने का आरोप लगाया है। परिवार की महिलाओं ने एसपी बस्ती को प्रार्थना पत्र देकर जांच और कार्रवाई की मांग की।
पीड़ित पक्ष के मुताबिक, विवाद गाटा संख्या 810 और उससे सटे गाटा संख्या 809 व 808 की जमीन को लेकर है। आरोप है कि चकबंदी प्रक्रिया के दौरान विपक्षी पक्ष के साथ मिलकर उनकी जमीन की पैमाइश कराने की कोशिश की गई। शिकायतकर्ताओं का कहना है कि खेत में गन्ने की फसल खड़ी होने के बावजूद उसे खाली बताकर पैमाइश का दबाव बनाया गया। प्रार्थना पत्र के मुताबिक, 17 नवंबर 2026 को शाम करीब 4ः30 बजे खेत में खड़ी गन्ने की फसल में आग लग गई। सूचना मिलने पर परिवार के लोग मौके पर पहुंचे, तब तक आग फैल चुकी थी। परिवार ने विपक्षी पक्ष के कुछ लोगों पर आग लगाने का आरोप लगाया। उनका दावा है कि करीब डेढ़ लाख रुपए की गन्ने की फसल जल गई। शिकायत में चकबंदी विभाग के कुछ कर्मचारियों और अधिकारियों की भूमिका पर भी सवाल उठाए गए हैं। पीड़ितों का आरोप है कि फसल खड़ी होने की बात कहकर पैमाइश का विरोध करने पर उन्हें दबाव और धमकी का सामना करना पड़ा। परिवार का कहना है कि घटना की सूचना पुलिस को देने के बावजूद शिकायत पर कार्रवाई नहीं हुई। उनका आरोप है कि परिवार के कुछ सदस्यों को उलटे थाने ले जाकर चालान किया गया।
पुनिता देवी पत्नी रामजीवन और शांति देवी पत्नी रामजीवन ने एसपी बस्ती से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने की मांग की है। उन्होंने फसल में आग लगाने के आरोपों और चकबंदी विभाग की भूमिका की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की।

हाईवे पर पांच गाड़ियां टकराईं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
नगर थाना क्षेत्र में गोटवा के पास राष्ट्रीय राजमार्ग पर शनिवार दोपहर करीब एक बजे पांच गाड़ियां आपस में टकरा गईं। किसी के गंभीर रूप से घायल होने की सूचना नहीं है।
मिली जानकारी के अनुसार, आगे चल रही एक गाड़ी ने अचानक ब्रेक लगाया। इसके बाद पीछे चल रही चार गाड़ियां आपस में भिड़ गईं। घटना की जानकारी मिलते ही एनएचएआई की टीम और पुलिस मौके पर पहुंची। टीम ने गाड़ियों को सड़क किनारे कराया, जिसके बाद यातायात फिर से शुरु हुआ। नगर थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह ने बताया कि हादसे में कोई गंभीर रूप से घायल नहीं हुआ। कुछ देर तक हाईवे पर यातायात रुका रहा, लेकिन बाद में स्थिति सामान्य हो गई।

सौभाग्य है देशभर के युवाओं के स्वागत का मौका मिला -पीएम मोदी



लखनऊ (आभा)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को लखनऊ पहुंचे। अमौसी एयरपोर्ट पर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने उनका स्वागत किया। इसके बाद प्रधानमंत्री गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित पंचम राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह में शामिल हुए। इस मौके पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह, केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उप मुख्यमंत्री और प्रदेश सरकार के कई मंत्री मौजूद हैं। समारोह में पीएम मोदी ने टॉपर्स को सम्मानित किया। सम्मानित होने वालों में इंडस्ट्रियल ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट (आईटीआई), नेशनल डिस्ट्रिक्ट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट और इंस्टीट्यूट ऑफ ट्रेनिंग से जुड़े प्रशिक्षक शामिल रहे। राजनाथ सिंह ने सभी सम्मानित लोगों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय कौशल दीक्षांत समारोह पहली बार दिल्ली से बाहर लखनऊ में आयोजित हो रहा है। यह उत्तर प्रदेश के लिए गौरव की बात है। इसके लिए उन्होंने केंद्रीय मंत्री जयंत चौधरी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को बधाई दी।
प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि कोई भी राष्ट्र अपने युवाओं के कौशल के दम पर आगे बढ़ता है। भारत तो हमेशा से ही कौशल का सम्मान करने वाला देश रहा है। यहां हुनर और पारंपरिक कामों को पीढ़ियों से महत्व दिया जाता रहा है।
गोमतीनगर स्थित इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित कौशल दीक्षांत समारोह में प्रधानमंत्री ने लखनऊ की चिकनकारी का उदाहरण दिया। उन्होंने कहा कि लखनऊ में लंबे समय से चिकनकारी का काम होता आ रहा है। यह यहां के पारंपरिक हुनर और कौशल का प्रतीक है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश के छात्र ही राष्ट्र का सामर्थ्य और भविष्य हैं। राष्ट्र निर्माण की प्रक्रिया में युवा सीधे तौर पर जुड़ने जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि वह दिल्ली से सीधे पश्चिम बंगाल गए, जहां उनका पहला कार्यक्रम आईआईटी में था। देश के पहले आईआईटी की स्थापना के 75 वर्ष पूरे होने के अवसर पर वह वहां पहुंचे थे।
प्रधानमंत्री ने कहा कि जिस ऊर्जा, सपनों, आशा और अरमान के साथ वह आईआईटी के विद्यार्थियों के बीच गए थे, उसी उमंग और उत्साह के साथ आईटीआई के विद्यार्थियों के बीच आए हैं। ये युवा उनके लिए देश की अमानत हैं। यही देश का सामर्थ्य और भविष्य हैं।
प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि उत्तर प्रदेश का सांसद होने के नाते उनके लिए यह गर्व की बात है।

योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर विश्व हिंदू महासंघ ने जताया शोक



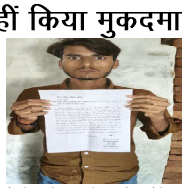
भारतीय बस्ती संवाददाता–
योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर विश्व हिंदू महासंघ ने जताया शोकबस्ती। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की माता के निधन पर विश्व हिंदू महासंघ की ओर से अमहट घाट स्थित सिद्धेश्वर नाथ मंदिर परिसर में शोक सभा आयोजित की गई। इसमें जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह सहित संगठन के पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ व उनके परिवार के प्रति संवेदना व्यक्त की। शोक सभा में जिलाध्यक्ष अखिलेश सिंह ने कहा कि मां का निधन जीवन की ऐसी अपूरणीय क्षति है, जिसकी भरपाई संभव नहीं है। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री जैसे यशस्वी व्यक्तित्व को जन्म देने वाली मां का स्थान सदैव पूजनीय रहेगा। मां का स्नेह, त्याग और आशीर्वाद हर व्यक्ति के जीवन की सबसे बड़ी पूंजी होता है। इस दुख की घड़ी में विश्व हिंदू महासंघ परिवार मुख्यमंत्री और उनके परिजनों के साथ खड़ा है। शोक सभा के दौरान उपस्थित लोगों ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को इस कठिन समय में धैर्य एवं शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। शोक सभा में डॉक्टर अरुण सिंह, सुधीर सिंह, प्रमोद सिंह, बिंदु गोपाल त्रिपाठी, विवेक श्रीवास्तव, वशिष्ठ मुनि दुबे, सौरभ चतुर्वेदी, राजकुमार मंटू चौधरी, इंजीनियर महेश चौधरी, अर्पण श्रीवास्तव, रवि शुक्ला, शिवम मिश्रा, अभिषेक वर्मा, उज्ज्वल सिंह, आरती यादव, सीताराम यादव, आलोक चौधरी, मनीष सोनकर, अरविंद सिंह, अंकित सिंह, अभय सिंह और सत्य राम सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

नवागत खंड शिक्षा अधिकारी का शिक्षकों ने किया स्वागत



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
हर्रैया (बस्ती)। हर्रैया ब्लॉक के नवागत खंड शिक्षा अधिकारी विवेक कुमार द्विवेदी ने शनिवार को कार्यालय पहुंचकर कार्यभार ग्रहण किया। इस दौरान ब्लॉक के एआरपी, शिक्षक संगठनों के पदाधिकारियों, शिक्षकों तथा कार्यालय के कर्मचारियों ने उनका स्वागत एवं अभिनंदन किया। सभी ने माल्यार्पण कर, पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। स्वागत कार्यक्रम में नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ने शिक्षकों एवं कर्मचारियों से उनका परिचय प्राप्त किया और ब्लॉक की शैक्षिक गतिविधियों तथा विभागीय कार्यों को लेकर चर्चा की। शिक्षकों और कर्मचारियों ने उम्मीद जताई कि उनके नेतृत्व में ब्लॉक में शैक्षिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी और विभागीय कार्यों का बेहतर ढंग से संचालन होगा।
इस अवसर पर नवागत खंड शिक्षा अधिकारी ने कहा कि सभी के साथ आपसी समन्वय और बेहतर संबंध स्थापित कर कार्य किया जाएगा। उनका प्रयास रहेगा कि ब्लॉक किसी भी क्षेत्र में पीछे न रहे। शिक्षण कार्य को प्रभावी बनाने के साथ ही शिक्षकों की समस्याओं का निराकरण भी प्राथमिकता में रहेगा। उन्होंने कहा कि विभागीय कार्यों में किसी भी स्तर पर कमी नहीं आने दी जाएगी। सभी के सहयोग से ब्लॉक को बेहतर बनाने के लिए पूरी प्रतिबद्धता के साथ काम किया जाएगा। स्वागत कार्यक्रम का संचालन एआरपी सन्तोष कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर एआरपी मनोज कुमार मिश्र, रवीश कुमार मिश्र, काशीराम वर्मा, राजीव शुक्ल, शिक्षक नेता राजकुमार तिवारी, राम सागर वर्मा, विकास पाण्डेय, राम पियारे, श्रवण कुमार, प्रमोद त्रिपाठी, विवेक कान्त पाण्डेय, पवन मिश्र, उदय शंकर पाण्डेय, मो. सलाम, शिव प्रकाश पाण्डेय, इरितयाक अहमद, अरुण शुक्ल, योगेश सिंह, अखिलेश सिंह, मानिकराम वर्मा, शोभाराम वर्मा, श्री नारायन मिश्र, मनोज उपाध्याय, हनुमान दूबे, विपिन शुक्ल, मनीष पाण्डेय, उपेन्द्र तिवारी, बृजेन्द्र पाण्डेय, लवकुश त्रिपाठी, राकेश सिंह, ओमप्रकाश, हरी सिंह, राम नरेन्द्र, अमरेन्द्र मिश्र, चन्दारानी, मीरा चौधरी, राकेश श्रीवास्तव, सुनील कुमार, मो. रिजवान, ऋषि सिंह, दिवाकर सिंह, राजेश वर्मा, रवीन्द्र कुमार, राकेश, जमुना आदि उपस्थित रहे।

एसपी के निर्देश के बाद भी पुलिस ने दर्ज नहीं किया मुकदमा



बस्ती। दुबौलिया थाना क्षेत्र में मारपीट और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल किए जाने के मामले में मुकदमा दर्ज नहीं होने पर पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से न्याय की गुहार लगाई है। हरैया थाना क्षेत्र के बिहरा बलईवीर गांव निवासी रिंकू पुत्र रामप्रकाश ने एसपी को प्रार्थना पत्र देकर दुबौलिया थानाध्यक्ष पर मुकदमा दर्ज नहीं करने का आरोप लगाया है।बीते 9 नवंबर 2026 को कटरिया गांव निवासी राजेन्द्र राजभर, जोखू राजभर और संजू पाल ने उसके साथ जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल करते हुए लात–घूंसों से मारपीट की थी। घटना के बाद उसने दुबौलिया थाने में शिकायत दी, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं किया गया। इसके बाद उसने पुलिस अधीक्षक को भी प्रार्थना पत्र दिया और व्यक्तिगत रूप से मिलकर कार्रवाई की मांग की।रिंकू का कहना है कि पुलिस अधीक्षक ने दुबौलिया थानाध्यक्ष को जल्द मुकदमा दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। इसके बावजूद अब तक मुकदमा दर्ज नहीं हुआ। पीड़ित ने आरोप लगाया कि पुलिस ने मामले में केवल 107, 116 और 151 के तहत कार्रवाई की है।पीड़ित ने पुलिस अधीक्षक से आरोपितों के खिलाफ उचित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई करने और अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कराने की मांग की है।

डेढ़ लाख रुपये देकर जांच रिपोर्ट बदलवाने का आरोप, डीएम से शिकायत

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। प्राथमिक विद्यालय संमलपुर में तैनात सहायक अध्यापिका भारती महेंद्र सिंह ठाकुर के निलंबन से जुड़े मामले में ग्राम चमरौहा, सियरापार निवासी सलीमुननिशा और कविता ने जिलाधिकारी को प्रार्थना पत्र देकर जांच दोबारा कराने की मांग की है। उन्होंने आरोप लगाया है कि निलंबन के बाद हुई जांच में सभी तथ्यों को ध्यान में नहीं रखा गया और एकतरफा रिपोर्ट तैयार की गई। सहायक अध्यापिका भारती महेंद्र सिंह ठाकुर पर विद्यालय में नियमित उपस्थित नहीं रहने, शिक्षण कार्य नहीं करने और प्रधानाध्यापिका जमीरुन निशा से गाली–गलौज करने संहित कई आरोप लगे थे। प्रार्थना पत्र में यह भी आरोप लगाया गया है कि उन्होंने कक्षा दो की छात्रा दरफाशा खातून के साथ कक्षा में मारपीट की थी।
इस मामले में छात्रा के अभिभावक की ओर से मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट बस्ती की अदालत में वाद भी दायर किया गया है। तत्कालीन खंड शिक्षा अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी ने जांच के बाद अपनी रिपोर्ट जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपी थी। इसी रिपोर्ट के आधार पर शिक्षिका को निलंबित किया गया था। ग्रामीणों ने अब आरोप लगाया है कि निलंबन के मामले में गठित दो सदस्यीय जांच समिति ने सभी आरोपों को अयुष्ट बताते हुए रिपोर्ट सौंप दी है। उनका दावा है कि शिक्षिका की ओर से पिछले एक सप्ताह से यह कहा जा रहा है कि जांच अधिकारियों को डेढ़ लाख रुपये देकर रिपोर्ट अपने पक्ष में करा ली गई है। शिकायतकर्ताओं ने यह भी आरोप लगाया है कि जांच अधिकारी विनोद कुमार त्रिपाठी की रिपोर्ट को नजरअंदाज कर नई जांच में शिक्षिका को राहत देने का प्रयास किया गया। उनका कहना है कि जांच अधिकारी के स्थानांतरण के बाद बैक डेट में जांच रिपोर्ट तैयार कर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को सौंपी गई। सलीमुननिशा और कविता ने जिलाधिकारी से जांच रिपोर्ट का दोबारा मूल्यांकन कराने और दो सदस्यीय नई जांच समिति गठित करने की मांग की है। उन्होंने समिति में महिला खंड शिक्षा अधिकारी को भी शामिल करने का अनुरोध किया है, ताकि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच हो सके।

कांग्रेस से सीट बंटवारे पर अखिलेश यादव बोले– बात सीटों की नहीं, जीत की है



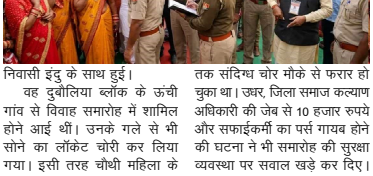
लखनऊ (आभा)। समाजवादी पार्टी में शनिवार को कई नेताओं ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। इनमें अनिल कसाना, उत्पल राय, पूर्व मंत्री अवधेश चौहान, विनय प्रताप, वीरेंद्र, अदनान अशरफ खान और महेश कुमार बबलू शामिल हैं। इस मौके पर सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि आज के समय में भाजपा सबसे बड़ा संकट है। उसके सत्ता से हटने पर ही संकट दूर होगा। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा के लोगों को लग रहा है कि कमल मुरझा गया है, इसलिए अब वे राधे–राधे कहने लगे हैं। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी में शामिल होने वाले नेताओं को भरोसा दिलाते हैं कि भाजपा उनके साथ अन्याय नहीं कर सकती, पार्टी उनका पूरा साथ देगी। सपा सरकार बनने पर अग्निवीर योजना खत्म की जाएगी। उन्होंने कहा कि पार्टी की वेबसाइट पर आने वाले सुझावों पर भी काम किया जाएगा।
अखिलेश ने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार में अधिकारी सत्ता के दबाव में काम कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि जो अधिकारी पिछले 10 वर्षों से एक ही कुर्सी पर बैठे हैं, उन्हें हटाने के लिए सभी विधायकों के हस्ताक्षर से ज्ञापन दिया जाएगा। उन्होंने भाजपा की ओर से 1.27 करोड़ हिंदुओं के वोट कटने संबंधी बयान पर भी सवाल उठाए। कहा कि चुनाव आयोग के दबाव के बाद अब इस तरह के बयान नहीं आ रहे हैं। उन्होंने सवाल किया कि भाजपा को यह जानकारी कहां से मिली थी।

पीएफ फंड के नाम पर ठगी करने वाले 5 गिरफ्तार, भारतपे पीओएस मशीन से 44.17 लाख के लेन–देन का खुलासा



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पीएफ फंड दिलाने का झांसा देकर लोगों के बैंक खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी में करने वाले 5 आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। भारतपे पीओएस मशीन की जांच में 44 लाख 17 हजार 996 रुपए के लेन–देन की पुष्टि हुई है। आरोपियों से जुड़े बैंक खातों के खिलाफ नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर सात साइबर शिकायतें भी दर्ज मिली हैं। पुलिस ने आरोपियों के पास से पांच मोबाइल फोन, भारतपे की एकपीओएस मशीन, 15 एटीएम कार्ड, एक क्रेडिट कार्ड, चार चेक, आधार और पैन कार्ड, तीन बैंक पासबुक और 6,770 रुपए नकद बरामद किए हैं।
पुलिस के मुताबिक, लालगंज थाना क्षेत्र के पगार खास निवासी संदीप यादव ने शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया कि पीएफ फंड आने का झांसा देकर साइबर अपराधियों ने उनके, उनके भाई और एक मित्र के बैंक खातों का इस्तेमाल किया। इन खातों में लाखों रुपए मंगवाकर निकाल लिए गए। शिकायत पर साइबर क्राइम थाने में केस दर्ज कर जांच शुरू की गई।
इलेक्ट्रॉनिक सर्विलांस और तकनीकी साक्ष्यों के आधार पर पुलिस ने अतुल मिश्रा निवासी सिद्धार्थनगर, रोहित गौतम और सुजीत गौतम निवासी लखनऊ, राजा वर्मा निवासी लखनऊ और सौरभ चौधरी उर्फ सौरभ वर्मा निवासी बस्ती को गिरफ्तार किया। पुलिस के अनुसार, आरोपी लोगों के मोबाइल पर संदिग्ध एपीके फाइल भेजकर उन्हें अपने जाल में फंसाते थे। फाइल इंस्टॉल होने के बाद मोबाइल की एक्सेसिविलिटी अनुमति के जरिए डिवाइस तक पहुंच बना लेते थे।
इसके बाद रिमोट एक्सेस ट्रोजन (आरएटी) की मदद से मोबाइल नियंत्रित कर यूपीआई के जरिए रकम दूसरे खातों में ट्रांसफर करते थे। बाद में एटीएम, पीओएस मशीन और चेक के माध्यम से रकम निकाल लेते थे।

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह में चार महिलाओं के लॉकेट और मंगलसूत्र चोरी, अधिकारी की जेब से नकदी भी गायब



–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। रामरेखा मंदिर परिसर में आयोजित मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह समारोह के दौरान चोरों ने जमकर हाथ साफ किया। भीड़ का फायदा उठाकर चोरों ने चार महिलाओं के गले से सोने के लॉकेट और मंगलसूत्र चोरी कर लिए। इतना ही नहीं, जिला समाज कल्याण अधिकारी लालजी यादव की जेब से 10 हजार रुपये भी गायब हो गए। वहीं, ड्यूटी पर आए पैकोलिया थाना क्षेत्र निवासी एक सफाईकर्मी का पर्स भी चोरी हो गया।
पहली घटना रामरेखा मंदिर के पास रहने वाली उमा देवी के साथ हुई। वह गले में सोने का लॉकेट पहने हुए थीं। समारोह के दौरान भोजन करते समय किसी ने उनका लॉकेट चोरी कर लिया। दूसरी घटना तुरसी गांव निवासी सरिता के साथ हुई, जिनका मंगलसूत्र गायब हो गया। तीसरी घटना इटावा गांव निवासी इंदु के साथ हुई।
वह दुबौलिया ब्लॉक के ऊंची गांव से विवाह समारोह में शामिल होने आई थीं। उनके गले से भी सोने का लॉकेट चोरी कर लिया गया। इसी तरह चौथी महिला के गले से भी सोने का लॉकेट गायब हो गया।
महिलाओं को जब अपने गहने गायब होने की जानकारी हुई तो उन्होंने छावनी थानाध्यक्ष को घटना से अवगत कराया। हालांकि, तब तक संदिग्ध चोर मौके से फरार हो चुका था। उधर, जिला समाज कल्याण अधिकारी की जेब से 10 हजार रुपये और सफाईकर्मी का पर्स गायब होने की घटना ने भी समारोह की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए।
मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह जैसे बड़े सार्वजनिक आयोजन में एक के बाद एक चोरी की घटनाओं से लोगों में नाराजगी देखी गई। भीड़भाड़ वाले कार्यक्रम में चोरों की सक्रियता ने सुरक्षा इंतजामों की पोल खोल दी।

शिक्षकों की पदोन्नति में देरी पर नाराजगी 26 नवंबर से धरने की चेतावनी

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। पदोन्नति प्रक्रिया में हो रही देरी को लेकर उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिलाधिकारी और जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को ज्ञापन सौंपकर जल्द आदेश जारी करने की मांग की है। संगठन ने विकास क्षेत्रों में जारी काउंसिलिंग के आदेश को नियमों के विपरीत बताते हुए उसे निरस्त कर जनपद स्तर पर काउंसिलिंग कराने की मांग उठाई है।जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल के नेतृत्व में पहुंचे शिक्षक संघ के प्रतिनिधिमंडल ने अधिकारियों को बताया कि छह नवंबर 2026 को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर हुए धरना–प्रदर्शन के दौरान पदोन्नति आदेश 20 नवंबर से पहले जारी करने का आश्वासन दिया गया था। इसके बाद शिक्षकों की अंतिम वरिष्ठता सूची भी जारी कर दी गई थी। शिक्षकों को उम्मीद थी कि काउंसिलिंग पूरी होने के बाद पदोन्नति के आदेश जारी कर दिए जाएंगे।16 नवंबर को सभी विकास क्षेत्रों में 23 और 25 नवंबर को काउंसिलिंग कराने का आदेश जारी कर दिया गया। संगठन ने इस व्यवस्था पर आपत्ति जताते हुए कहा कि इससे पदोन्नति की प्रक्रिया में देरी हो रही है। प्रदेश के कई जिलों में जनपद स्तर पर काउंसिलिंग कराकर पदोन्नति आदेश जारी किए जा चुके हैं। ऐसे में बस्ती में भी इसी तरह नियमों के अनुसार प्रक्रिया पूरी कराई जानी चाहिए। शिक्षक संघ ने मांग की कि जारी काउंसिलिंग आदेश को निरस्त कर जनपद स्तर पर काउंसिलिंग कराई जाए और बिना देरी किए पदोन्नति आदेश जारी किए जाएं। संगठन ने चेतावनी दी कि यदि जल्द कार्रवाई नहीं हुई तो 26 नवंबर से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय पर अनिश्चितकालीन धरना–प्रदर्शन और अनशन शुरू किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान जिला मंत्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह, जिला संयुक्त मंत्री राजकुमार सिंह, जिला कोषाध्यक्ष अभय सिंह यादव, सदर अध्यक्ष शैल कुमार शुक्ल, रीता शुक्ला, प्रदीप मिश्रा, मंजेश और रवि प्रताप यादव सहित संगठन के अन्य पदाधिकारी और शिक्षक मौजूद रहे। जिलाध्यक्ष उदय शंकर शुक्ल ने कहा कि पदोन्नति शिक्षकों का अधिकार है। संगठन उनके सम्मान और अधिकारों के लिए लगातार प्रयास कर रहा है। पदोन्नति प्रक्रिया में बेवजह देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।



हवाई हमले से बचाव का होगा अभ्यास रविवार शाम 6 बजे शुरू होगी मॉक ड्रिल

–भारतीय बस्ती संवाददाता–
बस्ती। हवाई हमले जैसी आपात स्थिति में आम लोगों को सुरक्षित रखने और बचाव के तरीकों की जानकारी देने के लिए रविवार को बस्ती शहर में विशेष मॉक ड्रिल की जाएगी। 22 नवंबर को शाम छह बजे शास्त्री चौक, झंडा चौराहा से कंपनी बाग चौराहा और आसपास के इलाके में होने वाले इस अभ्यास में नागरिक सुरक्षा के साथ कई विभागों की टीमें हिस्सा लेंगी। मॉक ड्रिल को लेकर प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसी क्रम में कलेक्ट्रेट सभागार में मुख्य राजस्व अधिकारी कीर्ति प्रकाश भारती की अध्यक्षता में बैठक हुई। जिलाधिकारी एवं नियंत्रक नागरिक सुरक्षा कृत्तिका ज्योत्स्ना के निर्देश पर हुई इस बैठक में उप जिलाधिकारी सदर प्रमोद कुमार भी मौजूद रहे। अधिकारियों ने संबंधित विभागों को उनकी जिम्मेदारियों के अनुसार तैयारी करने को कहा। चीफ वार्डन नागरिक सुरक्षा डॉ. कुलदीप सिंह ने बताया कि इस अभ्यास का उद्देश्य लोगों को हवाई हमले के दौरान अपनाए जाने वाले सुरक्षा उपायों से परिचित कराना है। डिप्टी चीफ वार्डन डॉ. वीके वर्मा ने बताया की मॉक ड्रिल के दौरान यह दिखाया जाएगा कि ऐसी स्थिति में आम नागरिकों को किस तरह सुरक्षित रखा जाए और राहत–बचाव के काम कैसे किए जाएं। अभ्यास में यातायात पुलिस, स्वास्थ्य विभाग, अग्निशमन, विद्युत विभाग, परिवहन विभाग और नगर पालिका परिषद के प्रतिनिधियों की भागीदारी रहेगी। आपदा विशेषज्ञ रंजीत रंजन के नेतृत्व में आपदा मित्रों की टीम भी शामिल होगी। इसके अलावा स्काउट गाइड से सत्यम पाण्डेय और नंदिनी तथा नागरिक सुरक्षा के सेक्टर वार्डन देवनारायण पाठक, गजालूर रहमान, अब्दुल हलीम, जम्भोत्रि चौधरी, पूजा पाण्डेय, प्रमोद श्रीवास्तव, आशीष श्रीवास्तव, सोनल, अभिनव श्रीवास्तव, सन्नी गुप्ता, शीष्म प्रकाश और भीमसेन सहित अन्य संबंधित विभागों के प्रतिनिधि मौजूद रहेंगे।



"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेंडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 22 नवम्बर 2026 रविवार

सम्पादकीय

लोकतंत्र की पहली जिम्मेदारी

लोकतंत्र की मजबूती केवल चुनाव कराने से नहीं, बल्कि प्रत्येक योग्य नागरिक की भागीदारी सुनिश्चित करने से होती है। चुनाव में मतदान करना हर नागरिक का अधिकार है, लेकिन इस अधिकार का इस्तेमाल तभी संभव है जब मतदाता सूची में उसका नाम दर्ज हो। उत्तर प्रदेश में 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर चल रही प्रक्रिया ने एक बार फिर इस विषय को महत्वपूर्ण बना दिया है।

मतदाता सूची में नाम जोड़ना, गलतियों को सुधारना और अपात्र नामों को हटाना निर्वाचन प्रक्रिया का सामान्य हिस्सा है। समय–समय पर सूची का पुनरीक्षण इसलिए जरूरी है ताकि चुनाव के दौरान किसी योग्य नागरिक को मतदान से वंचित न होना पड़े। लेकिन इस पूरी प्रक्रिया में सबसे बड़ी जिम्मेदारी निष्पक्षता और पारदर्शिता बनाए रखने की है।

अक्सर देखा जाता है कि चुनाव के दिन मतदान केंद्र पहुंचने पर कुछ लोगों को पता चलता है कि सूची में उनका नाम नहीं है। कई बार जानकारी के अभाव में लोग समय रहते अपने नाम की जांच नहीं करते। वहीं, कुछ मामलों में दस्तावेजों की कमी या प्रक्रिया की जानकारी न होने से भी परेशानी होती है। ऐसी स्थिति किसी भी नागरिक के लिए निराशाजनक हो सकती है। निर्वाचन आयोग और प्रशासन की जिम्मेदारी है कि मतदाता सूची को तैयार करने की प्रक्रिया पूरी सावधानी से पूरी की जाए। किसी भी योग्य मतदाता का नाम केवल तकनीकी गलती या लापरवाही के कारण नहीं छूटना चाहिए। इसी तरह, गलत प्रविष्टियों को सुधारने और आपत्तियों के निस्तारण में भी निष्पक्षता बरती जानी चाहिए। मतदाता सूची की शुद्धता केवल आंकड़ों का मामला नहीं, बल्कि नागरिकों के संवैधानिक अधिकार से जुड़ा विषय है।

दूसरी ओर, नागरिकों को भी अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी। केवल चुनाव के समय मतदान की अपील करना पर्याप्त नहीं है। हर मतदाता को समय–समय पर यह देखना चाहिए कि उसका नाम सूची में है या नहीं। परिवार के बुजुर्गों, युवाओं और आसपास के लोगों को भी इस संबंध में जागरूक करना जरूरी है। विशेष रूप से पहली बार मतदान करने वाले युवाओं को पंजीकरण की प्रक्रिया के प्रति सजग रहना चाहिए।

चुनाव लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण अवसर होता है। इसमें किसी की भागीदारी छूटना केवल एक व्यक्ति का नुकसान नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक व्यवस्था की कमजोरी है। राजनीतिक दलों को भी इस मुद्दे पर केवल आरोप लगाने के बजाय अपने कार्यकर्ताओं के माध्यम से लोगों को जागरूक करने में सहयोग करना चाहिए।

उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में मतदाता सूची तैयार करना आसान काम नहीं है। इसके लिए व्यापक प्रशासनिक प्रयास की आवश्यकता होती है। ऐसे में निर्वाचन आयोग को यह सुनिश्चित करना होगा कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और प्रत्येक योग्य नागरिक को अपनी बात रखने तथा जरूरी सुधार कराने का अवसर मिले।

लोकतंत्र में सरकारें जनता के वोट से बनती हैं। इसलिए किसी भी नागरिक का वोट केवल एक संख्या नहीं, बल्कि उसकी आवाज है। इस आवाज को मजबूत बनाए रखने के लिए जरूरी है कि मतदाता सूची में किसी योग्य व्यक्ति का नाम न छूटे। आखिर लोकतंत्र तभी मजबूत होगा, जब हर पात्र नागरिक को मतदान का पूरा अधिकार मिले और वह बिना किसी बाधा के अपनी पसंद का प्रतिनिधि चुन सके।

भीड़ में सच को पहचानना जरूरी

आज के दौर में सूचना प्राप्त करना पहले से कहीं अधिक आसान हो गया है। मोबाइल फोन और इंटरनेट ने दुनिया को लोगों की मुट्ठी में समेट दिया है। देश–दुनिया की खबरें अब कुछ ही सेकंड में लोगों तक पहुंच जाती हैं। सोशल मीडिया ने आम नागरिक को भी अपनी बात रखने और जानकारी साझा करने का मंच दिया है। लेकिन इस सुविधा के साथ एक गंभीर समस्या भी तेजी से बढ़ी है और वह है फर्जी खबरों का प्रसार।

व्हाट्सएप, फेसबुक, इंस्टाग्राम और अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर रोजाना हजारों संदेश, तस्वीरें और वीडियो साझा किए जाते हैं। इनमें बहुत सी जानकारियां सही होती हैं, लेकिन कई बार पुरानी तस्वीरों को नई घटना बताकर प्रसारित किया जाता है। किसी दूसरे राज्य के वीडियो को उत्तर प्रदेश का बताकर साझा कर दिया जाता है। अधूरी जानकारी और झूठे दावों के आधार पर लोगों के बीच भ्रम पैदा किया जाता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि लोग बिना सच्चाई जाने किसी भी संदेश को आगे बढ़ा देते हैं। कई बार किसी खबर को पढ़े बिना केवल उसकी हेडलाइन देखकर ही लोग अपनी राय बना लेते हैं। इसका असर केवल व्यक्ति विशेष तक सीमित नहीं रहता, बल्कि समाज में तनाव और अविश्वास का माहौल भी पैदा हो सकता है। अफवाहों के कारण कई बार प्रशासन को भी अनावश्यक परेशानियों का सामना करना पड़ता है।

सूचना के इस दौर में सबसे जरूरी है कि लोग खबर और अफवाह के बीच अंतर समझें। किसी भी संवेदनशील जानकारी को साझा करने से पहले उसके स्रोत की जांच करनी चाहिए। यह देखना चाहिए कि खबर किसी विश्वसनीय समाचार माध्यम ने प्रकाशित की है या नहीं। तस्वीर और वीडियो की तारीख तथा स्थान की पुष्टि करना भी जरूरी है। केवल इसलिए किसी जानकारी को सही नहीं मान लेना चाहिए क्योंकि उसे किसी परिचित व्यक्ति ने भेजा है।इस मामले में मीडिया की जिम्मेदारी भी कम नहीं है। समाचार संस्थानों को तेजी से खबर देने की होड़ में तथ्यों की जांच से समझौता नहीं करना चाहिए। गलत खबर प्रकाशित होने से किसी व्यक्ति, संस्था या समाज की छवि को नुकसान पहुंच सकता है। इसलिए पत्रकारिता की विश्वसनीयता बनाए रखने के लिए पुष्टि, निष्पक्षता और जिम्मेदारी को प्राथमिकता देना जरूरी है। सरकार और प्रशासन को भी फर्जी खबरों के प्रति लोगों को जागरूक करने के लिए लगातार प्रयास करना चाहिए। स्कूलों और कॉलेजों में डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा दिया जाना चाहिए, ताकि नई पीढ़ी इंटरनेट पर उपलब्ध हर जानकारी को सच मानने के बजाय उसकी जांच करना सीखे। अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता लोकतंत्र की महत्वपूर्ण ताकत है, लेकिन इस स्वतंत्रता के साथ जिम्मेदारी भी जुड़ी हुई है। सोशल मीडिया पर अपनी राय रखना हर व्यक्ति का अधिकार है, मगर किसी अपुष्ट जानकारी को फैलाना जिम्मेदार नागरिक होने का परिचय नहीं देता।

आज जरूरत केवल तकनीक के इस्तेमाल की नहीं, बल्कि उसके सही इस्तेमाल की है। हमें यह समझना होगा कि किसी संदेश को आगे भेजने में कुछ सेकंड लगते हैं, लेकिन उससे पैदा हुए भ्रम को दूर करने में कई दिन लग सकते हैं। इसलिए किसी भी खबर को साझा करने से पहले एक बार उसकी सच्चाई जरूर जांचें। क्योंकि समाज को जोड़ने का काम सच करता है, जबकि अफवाहें लोगों के बीच दूरी बढ़ाती हैं। इसके लिए समाज के हर वर्ग को अपनी भूमिका निभानी होगी। अभिभावकों को बच्चों को सही और गलत जानकारी के बीच अंतर समझाना होगा, शिक्षण संस्थानों को जागरूकता बढ़ानी होगी और सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने वाले प्रत्येक व्यक्ति को अपनी जिम्मेदारी समझनी होगी।

मृत्युदंड पर भारत का रुख और न्याय की चुनौती

—सर्वेश उपाध्याय—



लोकतंत्र में न्याय व्यवस्था की सबसे बड़ी ताकत उसका निष्पक्ष होना है। किसी भी सभ्य समाज की पहचान इस बात से होती है कि वह अपराध ा को किस नजरिए से देखता है, पीड़ित को न्याय दिलाने के लिए कितनी गंभीरता दिखाता है और अपराध ी के अधिकारों की रक्षा करते हुए कानून का पालन कैसे सुनिश्चित करता है। जब बात मृत्युदंड यानी किसी अपराध के लिए दोषी पाए गए व्यक्ति को फांसी की सजा देने की आती है, तब यह बहस और भी गंभीर हो जाती है। यह केवल किसी अपराधी को दी जाने वाली सजा का प्रश्न नहीं है, बल्कि जीवन के अधिकार, मानवाधिकार, न्यायिक व्यवस्था, समाज की सुरक्षा और राज्य की जिम्मेदारी से जुड़ा विषय है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में मृत्युदंड पर रोक लगाने से संबंधित प्रस्ताव के विरोध में मतदान कर भारत ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि वह इस विषय पर अपना निर्णय किसी बाहरी दबाव में नहीं, बल्कि अपनी संवैधानिक व्यवस्था, न्यायिक प्रक्रिया और राष्ट्रीय परिस्थितियों के आधार पर करेगा। भारत का यह रुख नया नहीं है। इससे पहले भी संयुक्त राष्ट्र में मृत्युदंड पर वैश्विक रोक लगाने के प्रस्तावों पर भारत इसी तरह अपना पक्ष रख चुका है। इस फैसले को केवल समर्थन या विरोध के सामान्य नजरिए से देखना उचित नहीं होगा। इसके पीछे कई ऐसे प्रश्न हैं, जिन पर गंभीरता से विचार करने की जरूरत है। दुनिया के अलग–अलग देशों की सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक और कानूनी परिस्थितियां एक जैसी नहीं हैं। हर देश की अपनी न्यायिक व्यवस्था, अपराध की प्रकृति, आंतरिक सुरक्षा से जुड़ी चुनौतियां और ऐतिहासिक परिस्थितियां होती हैं। ऐसे में किसी एक देश की कानूनी व्यवस्था को पूरी दुनिया के लिए आदर्श मान लेना उचित नहीं हो सकता। अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं का उद्देश्य देशों के बीच सहयोग, शांति और मानवाधिकारों की रक्षा को बढ़ावा देना है, लेकिन इसका अर्थ यह नहीं कि प्रत्येक देश की कानूनी व्यवस्था और दंड विधान एक ही तरीके से निर्धारित किया जाए।

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। यहां कानून बनाने का अधिकार संसद को है और कानून की व्याख्या तथा उसके संवैधानिक दायरे की जांच करने का अधिकार न्यायपालिका के पास है। मृत्युदंड को लेकर भी भारत में एक निर्धारित कानूनी व्यवस्था मौजूद है। संसद ने गंभीर अपराधों के लिए इस सजा का प्रावधान रखा है और सर्वोच्च न्यायालय ने इसके इस्तेमाल के लिए सख्त सीमाएं तय की हैं।

इसलिए संयुक्त राष्ट्र में भारत का मतदान केवल किसी प्रस्ताव का विरोध नहीं, बल्कि इस सिद्धांत की अभिव्यक्ति भी है कि राष्ट्रीय कानूनों और न्यायिक व्यवस्था से जुड़े महत्वपूर्ण फैसलों में देश की संवैधानिक संस्थाओं की भूमिका सर्वोपरि रहनी चाहिए। हालांकि संप्रभुता का अर्थ यह भी नहीं है कि कोई देश मानवाधिकारों से जुड़े अंतरराष्ट्रीय दायित्वों की अनदेखी करे। वास्तविक संप्रभुता वही है, जिसमें देश अपने अधिकारों के साथ अपनी जिम्मेदारियों को भी समझे।

मृत्युदंड के समर्थन में सबसे बड़ा तर्क यह दिया जाता है कि कुछ अपराध इतने जघन्य और अमानवीय होते हैं कि उनके लिए सामान्य सजा पर्याप्त नहीं होती। जब किसी व्यक्ति की हत्या अत्यंत क्रूर तरीके से की जाती है, जब मासूम बच्चों के साथ गंभीर अपराध होते हैं या जब आतंकवादी घटनाओं में बड़ी संख्या में निर्दोष लोगों की जान जाती है, तब समाज के भीतर कठोरतम सजा की मांग स्वाभाविक रूप से उठती है।ऐसे मामलों में पीड़ित परिवारों का दर्द केवल कानूनी बहस तक सीमित नहीं रहता। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उनके लिए न्याय की प्रतीक्षा कई बार जीवनभर का संघर्ष बन जाती है। उन्हें लगता है कि अपराधी को ऐसी सजा मिलनी चाहिए, जिससे समाज में यह संदेश जाए कि किसी की जिंदगी छीनने वाले को कानून हल्के में नहीं छोड़ेगा।

यह भावना समझने योग्य है। किसी भी न्याय व्यवस्था को पीड़ितों और उनके परिवारों के दर्द को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। लेकिन यहां एक महत्वपूर्ण सवाल भी खड़ा होता है कि क्या कठोरतम सजा देना ही हर परिस्थिति में न्याय का सबसे बेहतर तरीका है? क्या किसी अपराधी को मृत्युदंड देने से अपराध की पुनरावृत्ति रुक जाती है? क्या इससे समाज में अपराध करने की प्रवृत्ति पूरी तरह समाप्त हो सकती है?इन सवालों का जवाब केवल भावनाओं से नहीं दिया जा सकता। इसके लिए अपराध के आंकड़ों, न्यायिक अनुभव और सामाजिक परिस्थितियों का अध्ययन जरूरी है। किसी भी सजा का उद्देश्य केवल बदला लेना नहीं, बल्कि कानून का शासन बनाए रखना, समाज की सुरक्षा करना और न्याय सुनिश्चित करना होना चाहिए। मृत्युदंड का विरोध करने वाले देशों और मानवाधिकार संगठनों का तर्क है कि जीवन का अधिकार सबसे मौलिक अधिकारों में से एक है। यदि राज्य किसी व्यक्ति की जान लेने का अधिकार अपने पास रखता है, तो यह सुनिश्चित करना उसकी सबसे बड़ी जिम्मेदारी बन जाती है कि किसी निर्दोष को गलती से भी ऐसी सजा न मिले, जिसे बाद में सुधारा न जा सके। न्यायिक व्यवस्था में मानवीय भूल की संभावना से पूरी तरह इनकार नहीं किया जा सकता। गवाहों के बयान गलत हो सकते हैं, जांच में कमियां रह सकती हैं। वैज्ञानिक साक्ष्यों की व्याख्या में त्रुटि हो सकती है और कभी–कभी परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर भी गलत निष्कर्ष निकल सकते हैं। यदि किसी व्यक्ति को आजीवन कारावास दिया जाता है और बाद में उसकी निर्दोषता सामने आती है, तो कम से कम उसकी रिहाई का रास्ता मौजूद रहता है। लेकिन मृत्युदंड लागू हो जाने के बाद किसी भी गलती को सुधारने का अवसर समाप्त हो जाता है।

यही कारण है कि मृत्युदंड के मामले में न्यायिक प्रक्रिया का अत्यंत मजबूत होना जरूरी है। केवल अपराध की गंभीरता के आधार पर किसी व्यक्ति को दोषी ठहराना पर्याप्त नहीं है। अपराध में उसकी भूमिका, उपलब्ध साक्ष्य, गवाहों की विश्वसनीयता और बचाव पक्ष को मिले अवसरों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

मानवाधिकारों की रक्षा का अर्थ अपराधियों को संरक्षण देना नहीं है। इसका अर्थ यह है कि अपराध कितना भी गंभीर क्यों न हो, कानून अपना रास्ता न छोड़े। यदि न्याय व्यवस्था स्वयं जल्दबाजी, दबाव या भावनाओं के आधार पर निर्णय लेने लगेगी, तो उससे न्याय की विश्वसनीयता प्रभावित होगी।

भारत की न्यायिक व्यवस्था में मृत्युदंड हर गंभीर अपराध के लिए सामान्य सजा नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय ने 1980 में बचन सिंह बनाम पंजाब राज्य मामले में महत्वपूर्ण सिद्धांत स्थापित करते हुए कहा था कि मृत्युदंड केवल दुर्लभतम से दुर्लभतम मामलों यानी रेरेस्ट ऑफ रेयरश में ही दिया जाना चाहिए।

धर्मनिष्ठ सत्ता और जहरीला पानी



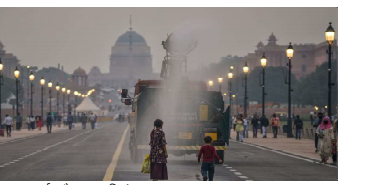
—निर्मल रानी —



स्विट्ज़रलैंड की वायु गुणवत्ता निगरानी संस्था ।पत पफ की 2026 में जारी हुई वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, दिल्ली दुनिया का चौथा सबसे प्रदूषित शहर और लगातार आठवें वर्ष विश्व की सबसे प्रदूषित राजधानी रही। नवंबर 2026 के दूसरे सप्ताह विशेषकर 7 नवंबर और 13–16 नवंबर के दौरान ।पत पफ की लाइव रैंकिंग में दिल्ली कई बार लाहौर, कोलकाता और ढाका को पीछे छोड़कर दुनिया का प्रथम सबसे प्रदूषित प्रमुख शहर बन गया। इस दौरान केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के आंकड़ों में दिल्ली का औसत ।फ 400 के पार अर्थात श्गंभीरश् श्रेणी तक पहुंच गया, जबकि दिल्ली यूनिवर्सिटी और आईटीओ जैसे कुछ इलाकों में यह 450 से ऊपर दर्ज किया गया।और इसी घोर प्रदूषित राजधानी में गत दिनों उत्तर भारत विशेषकर बिहार का सर्वाधिक लोकप्रिय धार्मिक व सामाजिक त्यौहार छठ मनाया गया। वर्तमान में केंद्र सरकार, दिल्ली सरकार और दिल्ली नगर निगम तीनों ही स्तरों पर भारतीय जनता पार्टी की सरकार है। गोया दिल्ली में श्ट्रिपल इंजन की सरकारश् चल रही है। नवंबर 2026 में छठ महापर्व के आयोजन को लेकर दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और दिल्ली सरकार ने दिल्ली वासियों खासकर छठ पूजा हेतु श्रद्धालुओं को साफ यमुना जल उपलब्ध कराने, दिल्ली के 1,400 से अधिक घाटों के निर्माण और अभूतपूर्व नागरिक सुविधाओं के बड़े दावे किए थे। सरकार का मुख्य जोर इस बात पर था कि इस वर्ष श्रद्धालुओं को बिना किसी गंदिगी या जहरीले झाग के, भव्य रूप से पूजा करने का अवसर मिलेगा। मुख्यमंत्री ने छठ पूजा से ठीक पहले यह भी दावा किया था कि बीजेपी सरकार की तैयारियों के तहत यमुना का पानी साफ है और इसमें कोई गंदगी या झाग नहीं है। उन्होंने कहा था कि इस बार व्रती महिलाएं स्वच्छ यमुना जल में ही सूर्य देव को अर्घ्य देंगी। दिल्ली सरकार ने यह भी दावा किया था कि यमुना नदी के पानी को पूरी तरह से पर्यावरण के अनुकूल (इको–फ्रेंडली) उपचारित किया जा रहा है, जिससे पानी या जलीय जीवों पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ेगा। सरकार ने राजधानी भर में लगभग 1,482 छठ घाट तैयार करने का दावा किया था जो पिछले वर्ष के 1,326 घाटों की तुलना में अधिक थे। सभी बुनियादी तैयारियां 6 नवंबर 2026 तक पूरी करने के निर्देश दिए गए थे। उत्तरी दिल्ली में आउटर रिंग रोड से इंद्रलोक तक मुनक नहर के दोनों किनारों पर लगभग 15 करोड़ रुपये की लागत से 11 किलोमीटर लंबा भव्य छठ घाट बनाने और उसमें साफ पानी छोड़ने का दावा किया गया था। सरकार ने सभी घाटों पर स्वच्छता, निर्बाध बिजली, रोशनी, पीने के पानी, मोबाइल शौचालय, चेंजिंग रूम और चिकित्सा सुविधाओं के पुख्ता प्रबंध किये जाने का दावा भी किया था परन्तु नए कृत्रिम या नहर घाटों के निर्माण के मोर्चे पर तो सरकार अपने कई दावों को पूरा करने में कुछ हद तक सफल जरूर रही परन्तु यमुना नदी को श्पूरी तरह साफ और झाग–मुक्तश् बनाने का उसका सबसे प्रमुख दावा जमीनी स्तर पर पूरा नहीं हो सका। गौरतलब है कि सरकार ने दावा किया था कि छठ पूजा के दौरान इस बार यमुना नदी में जहरीला सफेद झाग नहीं दिखेगा। 15 और 16 नवंबर 2026 को छठ पूजा के संध्या और उषा अर्घ्य के दौरान कालिंदी कुंज सहित यमुना के कई हिस्सों में श्रद्धालु कमर तक गहरे पानी और सफेद झाग की मोटी परतों के बीच पूजा करते नजर आए। दिल्ली बीजेपी प्रवक्ता प्रवीण शंकर कपूर ने स्वयं स्वीकार किया कि कालिंदी कुंज के बड़े हिस्सों में झाग तैरता हुआ दिखाई दिया। नदी में बिना उपचारित सीवर के पानी, औद्योगिक कचरे और डिटर्जेंट के मिलने से पानी की सतह पर इसतरह का जहरीला सफेद झाग बनता है। दिल्ली प्रदूषण नियंत्रण समिति के आंकड़ों के हवाले से बताया गया कि यमुना के प्रमुख घाटों का पानी नहाने योग्य मानकों पर खरा नहीं उतरा। हद तो यह कि छठ से ठीक पहले वजीराबाद और सोनिया विहार के पास नदी में बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां मिलने और काले व प्रदूषित पानी की तस्वीरों ने श्स्वच्छ यमुना जलश् के दावों पर और भी गंभीर सवाल खड़े कर दिये। शालीमार बाग के कुछ हिस्सों, कई रिहायशी घाटों व कुछ स्थानीय इलाकों में सफाई की भारी कमी, प्लास्टिक के कचरे और अपर्याप्त रोशनी को लेकर स्थानीय लोगों ने शिकायतें दर्ज कराईं। परन्तु श्रद्धालुओं के जहरीले पानी में डुबकी लगाने पर अफसोस जताने या इस दुर्व्यवस्था के लिये सरकार की जिम्मेदारी स्वीकार करने के बजाये मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कई घाटों पर छठ पर्व को भव्य बनाने के लिए प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। दिल्ली के मंत्री कपिल मिश्रा और सांसद मनोज तिवारी ने कहा कि पिछली आप सरकार ने यमुना किनारे छठ पूजा पर प्रतिबंध लगाया था, जबकि वर्तमान बीजेपी सरकार ने 1,400 से अधिक घाटों पर श्रेडे कार्पेटश् बिछाकर भव्य इंतजाम किए। बीजेपी ने यह भी दावा किया कि उनकी सरकार ने पिछले डेढ़ से दो वर्षों में यमुना नदी का आधे से अधिक हिस्सा साफ कर दिया है, जो काम कांग्रेस और आप दशकों में नहीं कर पाईं। दिल्ली सरकार के मंत्री प्रवेश वर्मा और सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण विभाग ने तो यह आरोप लगाया कि विपक्षी दल और कुछ अज्ञात लोग छठ पर्व से पहले सरकार की छवि खराब करने के लिए जानबूझकर यमुना नदी में मरी हुई मछलियां डाल रहे थे। सोशल मीडिया पर विपक्ष के अलावा भी अनेक लोगों ने यमुना के झाग भरे जहरीले पानी में पूजा करने हेतु खड़ी महिला श्रद्धालुओं के वीडियो साझा करते हुए लिखा कि यही यमुना की असली हकीकत है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता पर निशाना साधते हुए लोगों ने कहा कि यमुना की सफाई के नाम पर केवल झूठे वादे और प्रचार किए गए, जिसके कारण श्रद्धालु जहरीले पानी में छठ मनाने को मजबूर हैं।

प्रदूषण पर हर साल चिंता

—अनूप खरे—



सर्दियों का मौसम आते ही देश के कई हिस्सों में वायु प्रदूषण की समस्या एक बार फिर चर्चा में आ जाती है। आसमान में धुंध की परत दिखाई देने लगती है, सुबह और शाम हवा की गुणवत्ता खराब होने की शिकायतें बढ़ जाती हैं और लोगों को सांस लेने में परेशानी होने लगती है। अस्पतालों में सांस और आंखों से जुड़ी समस्याओं के मरीज पहुंचते हैं। बच्चों, बुजुर्गों और पहले से बीमार लोगों के लिए स्थिति अधिक कठिन हो जाती है। इसके बाद सरकारी विभाग सक्रिय होते हैं, बैठकों का दौर शुरू होता है, प्रदूषण कम करने के निर्देश जारी किए जाते हैं और कुछ दिनों तक इस विषय पर लगातार चर्चा होती है। लेकिन मौसम बदलते ही यह चिंता भी धीरे–धीरे पीछे छूट जाती है। सवाल यह है कि प्रदूषण जैसी गंभीर समस्या के समाधान के लिए हर साल सर्दियों का इंतजार क्यों किया जाता है?

वायु प्रदूषण अब केवल महानगरों की समस्या नहीं रह गया है। छोटे शहरों और कस्बों में भी इसका असर दिखाई देने लगा है। तेजी से बढ़ते वाहन, निर्माण कार्यों से उड़ने वाली धूल, कचरा जलाने की प्रवृत्ति, औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाला धुआं और हरियाली का कम होना इसके प्रमुख कारणों में शामिल हैं। कई स्थानों पर सड़कों की सफाई नियमित रूप से नहीं होती, खुले में निर्माण सामग्री रखी रहती है और कूड़े के निस्तारण की उचित व्यवस्था नहीं होने से उसे जला दिया जाता है। इन सभी गतिविधियों का असर सीधे हवा की गुणवत्ता पर पड़ता है।

सबसे चिंताजनक बात यह है कि प्रदूषण का प्रभाव केवल कुछ दिनों की परेशानी तक सीमित नहीं रहता। लंबे समय तक दूषित हवा में सांस लेने से फेफड़ों और हृदय से संबंधित बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। बच्चों के विकास और बुजुर्गों के स्वास्थ्य पर भी इसका प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। जिन लोगों को पहले से दमा, एलर्जी या सांस संबंधी परेशानी है, उनके लिए प्रदूषित वातावरण और अधिक कठिनाई पैदा करता है। ऐसे में स्वच्छ हवा को केवल पर्यावरण से जुड़ा विषय मानना सही नहीं होगा। यह सीधे तौर पर जनस्वास्थ्य और जीवन की गुणवत्ता से जुड़ा सवाल है।

प्रदूषण पर नियंत्रण की जिम्मेदारी केवल सरकार या किसी एक विभाग की नहीं हो सकती। इसके लिए कई विभागों के बीच बेहतर तालमेल की जरूरत है। नगर निकायों को कचरा प्रबंधन की व्यवस्था मजबूत करनी होगी। सड़कों की नियमित सफाई और धूल नियंत्रण पर ध्यान देना होगा। निर्माण कार्यों के दौरान निर्धारित नियमों का पालन कराना होगा। औद्योगिक इकाइयों से निकलने वाले धुएं की निगरानी होनी चाहिए और नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई भी जरूरी है। केवल आदेश जारी कर देने से समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक उनका जमीन पर पालन सुनिश्चित न किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी पर्यावरण संरक्षण को लेकर गंभीरता बढ़ाने की आवश्यकता है। खेतों में फसल अवशेष जलाने से हवा की गुणवत्ता प्रभावित होती है। हालांकि किसानों के सामने भी कई व्यावहारिक समस्याएं होती हैं। अगली फसल की तैयारी के लिए कम समय मिलना, मशीनों की उपलब्धता और आर्थिक खर्च जैसी चुनौतियां उन्हें कठिन निर्णय लेने के लिए मजबूर कर सकती हैं। इसलिए केवल जुर्माना लगाने से इस समस्या का स्थायी समाधान नहीं निकलेगा। किसानों को फसल अवशेष के उचित प्रबंधन के लिए मशीनें, तकनीकी सहायता और आर्थिक सहयोग उपलब्ध कराना भी जरूरी है। जब तक विकल्प सुलभ नहीं होंगे, तब तक केवल सख्ती से अपेक्षित परिणाम मिलना कठिन रहेगा। वाहनों की बढ़ती संख्या भी प्रदूषण की समस्या को गंभीर बना रही है। शहरों में छोटी दूरी के लिए भी निजी वाहनों का इस्तेमाल बढ़ रहा है। सार्वजनिक परिवहन की सुविधा पर्याप्त और सुविधाजनक नहीं होने के कारण लोग अपने वाहनों पर निर्भर रहते हैं। यदि बस सेवा को बेहतर बनाया जाए, सार्वजनिक परिवहन का विस्तार हो और साइकिल तथा पैदल चलने के लिए सुरक्षित रास्ते उपलब्ध कराए जाएं, तो निजी वाहनों पर निर्भरता कम की जा सकती है। इसके साथ ही पुराने और अधिक धुआं छोड़ने वाले वाहनों की नियमित जांच भी आवश्यक है। केवल वाहन चालकों पर जिम्मेदारी डालना उचित नहीं होगा, सरकार को बेहतर परिवहन विकल्प भी उपलब्ध कराने होंगे। प्रदूषण से लड़ाई में पेड़–पौधों की भूमिका को भी समझना होगा। विकास के नाम पर पेड़ों की कटाई आसान विकल्प बनती जा रही है। सड़क चौड़ीकरण, भवन निर्माण और अन्य परियोजनाओं के लिए पेड़ों को हटाया जाता है, लेकिन उनके स्थान पर नए पौधे लगाने और उन्हें बड़ा होने तक सुरक्षित रखने पर उतना ध्यान नहीं दिया जाता। पौधारोपण केवल किसी अभियान की तस्वीर खिंचवाने तक सीमित नहीं होना चाहिए। पौधे लगाने के साथ उनकी नियमित देखभाल और संरक्षण की जिम्मेदारी भी तय होनी चाहिए। शहरों में पार्क, हरित पट्टियां और खुले स्थान बचाए रखना भविष्य की जरूरत है। इस विषय में आम नागरिकों की भूमिका भी कम महत्वपूर्ण नहीं है। लोग अक्सर प्रदूषण के लिए सरकार और प्रशासन को जिम्मेदार ठहराते हैं, लेकिन अपनी आदतों पर ध्यान नहीं देते। घरों और दुकानों के आसपास कचरा जलाना, वाहनों की अनावश्यक आवाजाही, सार्वजनिक स्थानों पर गंदगी फैलाना और पेड़ों की कटाई को लेकर चुप रहना भी समस्या को बढ़ाता है। यदि प्रत्येक व्यक्ति अपने स्तर पर छोटे–छोटे बदलाव करे तो सामूहिक रूप से बड़ा प्रभाव पड़ सकता है। कचरे को अलग–अलग रखना, खुले में उसे न जलाना, जरूरत के अनुसार सार्वजनिक परिवहन का उपयोग करना और आसपास हरियाली बनाए रखना ऐसी आदतें हैं, जिन्हें अपनाने में किसी बड़े अभियान की आवश्यकता नहीं है।

स्कूलों और शिक्षण संस्थानों को भी बच्चों को पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी चाहिए। पर्यावरण संरक्षण केवल पाठ्यक्रम का एक अध्याय नहीं होना चाहिए। बच्चों को व्यवहार में स्वच्छता, जल संरक्षण और पेड़–पौधों की देखभाल के महत्व से परिचित कराना जरूरी है। जब नई पीढ़ी पर्यावरण के प्रति जागरूक होगी, तभी भविष्य में समाज की सोच में स्थायी बदलाव संभव होगा।

सरकार को प्रदूषण के आंकड़ों और निगरानी व्यवस्था को भी अधिक प्रभावी बनाना चाहिए। जिन क्षेत्रों में हवा की गुणवत्ता खराब होती है, वहां लोगों को समय पर सही जानकारी मिलनी चाहिए। प्रदूषण के स्रोतों की पहचान कर उनके अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। केवल प्रदूषण का स्तर बढ़ने पर स्कूल बंद करने या निर्माण कार्य रोकने जैसे अस्थायी कदम पर्याप्त नहीं हैं।

भारत–नेपाल सीमा पर दो तस्कर गिरफ्तार, 25 लाख की स्मैक और अपाचे बाइक बरामद

संवाददाता–बहराइच। भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान में रुपईडीहा पुलिस और सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) को बड़ी सफलता मिली है। संयुक्त टीम ने एजीसी कॉलेज के पीछे से दो युवकों को गिरफ्तार किया है। उनके कब्जे से 66 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में इसकी अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये बताई जा रही है। पुलिस ने तस्करी में इस्तेमाल की जा रही अपाचे मोटरसाइकिल भी जब्त की है। पुलिस के मुताबिक, भारत–नेपाल सीमा पर मादक पदार्थों की तस्करी और बिक्री पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक बहराइच विश्वजीत श्रीवास्तव के निर्देशन में कार्रवाई की गई। अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण दुर्गा प्रसाद तिवारी और क्षेत्राधिकारी नानपारा चित्रांशु गौतम के पर्यवेक्षण में प्रभारी निरीक्षक हरेंद्र कुमार मिश्र के नेतृत्व में पुलिस टीम तस्करी पर नजर रख रही थी। इसी दौरान रुपईडीहा में एजीसी कॉलेज के पीछे पुलिस और एसएसबी की संयुक्त टीम ने कार्रवाई करते हुए दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया। तलाशी के दौरान उनके कब्जे से 66 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। पुलिस ने मौके से तस्करी में प्रयुक्त अपाचे मोटरसाइकिल भी बरामद की। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में अनुमानित कीमत करीब 25 लाख रुपये आंकी गई है। पुलिस गिरफ्तार आरोपियों के खिलाफ नियमानुसार कार्रवाई कर रही है।



पुलिस की चौकसी के बीच हुआ दुष्कर्म पीड़ित मासूम का अंतिम संस्कार

संवाददाता–महराजगंज। चौक थाना क्षेत्र के एक गांव में छह वर्षीय मासूम के साथ दुष्कर्म की घटना के बाद शुक्रवार की रात शव पहुंचा तो कोहराम मच गया। शनिवार की सुबह पुलिस चौकसी के बीच मासूम का अंतिम संस्कार किया गया। गांव के श्मसान घाट पर रीति–रिवाज के अनुसार मासूम के शव को दफन किया गया।मासूम बच्ची अपने मामा के घर मुंडन कार्यक्रम में शामिल होने आई थी। कार्यक्रम में भोजन बनाने आए कारीगर के साथ आया मधुबनी–बड़का टोला, थाना चौक निवासी छोटेलाल चौधरी उर्फ दिलबहार बच्ची को बहला–फुसला कर बगीचे में ले गया। वहां उसके साथ दुष्कर्म किया था।

उसे बीआरडी मेडिकल कॉलेज गोरखपुर में भर्ती कराया गया था। गुरुवार को उसका ऑपरेशन हुआ, लेकिन तमाम प्रयासों के बावजूद उसे नहीं बचाया जा सका। शुक्रवार सुबह करीब 10.30 बजे इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। मेडिकल कॉलेज में गुलरिहा पुलिस की निगरानी में पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शुक्रवार रात मासूम का शव गांव पहुंचा तो परिजनों में चीख–पुकार मच गई। शव पहुंचने की खबर मिलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए।



शनिवार सुबह पुलिस की निगरानी में गांव के श्मशान घाट पर हिन्दू रीति–रिवाज के अनुसार मासूम के शव को दफन कर दिया गया। मासूम की मौत से गांव में मातम पसरा हुआ है। इस घटना ने हर किसी को झकझोर कर रख दिया है।

मतदाता सूची का विशेष पुनरीक्षण अभियान, सभी मतदान केंद्रों पर कैंप लगाए गए

संवाददाता–देवरिया। जिला निर्वाचन अधिकारी और डीएम मधुसूदन हुल्गी ने भाटपाररानी विधानसभा क्षेत्र के छह मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने कंपोजिट विद्यालय बेलपार पंडित के बूथ नंबर 174 और 175, प्राथमिक विद्यालय जसूई के बूथ नंबर 179, डॉ. राम मनोहर लोहिया इंटर कॉलेज पकड़ी बाबू के बूथ नंबर 92 और 93 और प्राथमिक विद्यालय मोतीपुर भुवाल के बूथ नंबर 41 और 42 पर बीएलओ से काम की जानकारी ली। डीएम ने कहा कि मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटे पात्र नागरिकों और पहली बार मतदाता बनने वाले युवाओं के आवेदन प्राथमिकता से लिए जाएं। नाम, पता, आयु और अन्य जानकारी में सुधार के आवेदन भी तय प्रक्रिया के तहत लेकर समय पर निपटाए जाएं। उन्होंने बीएलओ को तय समय तक बूथों पर मौजूद रहकर लोगों की मदद करने के निर्देश दिए। डीएम ने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटना नहीं चाहिए। डीएम ने बताया कि जिन युवाओं की आयु 1 जनवरी 2027 को 18 साल पूरी हो रही है, वे फॉर्म–6 भरकर मतदाता सूची में नाम जुड़वा सकते हैं। नाम हटवाने के लिए फॉर्म–7 और नाम, आयु, लिंग, फोटो या पते में सुधार के लिए फॉर्म–8 भरना होगा। इस दौरान भाटपाररानी के एसडीएम दीपराज, क्षेत्राधिकारी और संबंधित अधिकारी–कर्मचारी मौजूद रहे। सलेमपुर के एसडीएम के साथ रुद्रपुर और बरहज के एसडीएम ने भी अपने क्षेत्रों में निरीक्षण किया। डीएम ने कहा कि कोई भी पात्र नागरिक मतदाता सूची में नाम दर्ज कराने से छूटना नहीं चाहिए।



नशे में हैवान बना पतिः धारदार हथियार से काटकर पत्नी की हत्या

संवाददाता–गोण्डा। कोटिया मदारा गांव में घरेलू विवाद ने खौफनाक रूप ले लिया। शुक्रवार देर रात नशेड़ी प्रवृत्ति के पति ने पत्नी पर टंगारी से कान पर गले पर सर पर हमला कर उसकी हत्या कर दी। वारदात के बाद आरोपी मौके से फरार हो गया। हत्या की सूचना से गांव में सनसनी फैल गई। मृतका की मां की तहरीर पर पुलिस ने पति और सास के खिलाफ हत्या का मुकदमा दर्ज कर लिया है।

कोटिया मदारा निवासी मनोज कुमार शुक्ला पर पत्नी सुमन शुक्ला (35) की हत्या का आरोप है। पुलिस के मुताबिक, 20 नवंबर की रात करीब 11 बजे मनोज ने सो रही सुमन के सिर पर टंगारी से वार कर दिया। हमले में गंभीर रूप से घायल सुमन की मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान मां को बचाने के लिए उठा बेटा कैशन भी आरोपी के निशाने पर आ गया। आरोप है कि आरोपी उसे भी मारने के लिए दौड़ा। वारदात के बाद मनोज फरार हो गया। मृतका की मां सीतावती तिवारी निवासी कैथौली पूरेबदल ने पुलिस को तहरीर देकर पति और उसकी मां के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। मृतका के भाई दीपनारायण तिवारी का आरोप है कि करीब दो साल पहले भी बहन के साथ मारपीट और प्रताड़ित करने की शिकायत लेकर पुलिस को कई प्रार्थना पत्र दिए गए थे। आरोप है कि बहन को मारने–पीटने और घर से भगाने की धमकी दी जाती थी, लेकिन कोई ठोस कार्रवाई नहीं हुई।

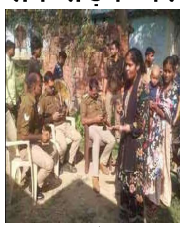


दीपनारायण के मुताबिक, वर्ष 2023 में कोड़िया थाने में पति–पत्नी के विवाद को लेकर समझौता भी कराया गया था। इसमें पति की ओर से प्रतिमाह 4500 रुपये देने की बात लिखी गई थी, लेकिन आरोप है कि यह रकम भी आज तक नहीं दी गई। भाई का कहना है कि लगातार विवाद और प्रताड़ना के बीच उसकी बहन की हत्या कर दी गई।

घटना की सूचना मिलते ही अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी नितेश सिंह और थानाध्यक्ष पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और पंचायतनामा भरकर शव को पोस्टमार्टम के लिए गोंडा मर्चरी हाउस भेज दिया। हत्या के बाद फरार आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

सुमन अपने पीछे 12 वर्षीय बेटे किशन और चार वर्षीय बेटी शगुन को छोड़ गई हैं। मां की अचानक हत्या से दोनों मासूमों के जीवन में दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। मां का साया उठने से परिवार में कोहराम मचा है, वहीं गांव में घटना को लेकर शोक और आक्रोश व्याप्त है। थानाध्यक्ष शशि कुमार राणा ने बताया कि मृतका की मां की तहरीर पर पति और सास के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले की जांच की जा रही है और आरोपी की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीमें कार्रवाई कर रही हैं।

पोस्टमार्टम के बाद महिला का शव सड़क पर रख किया जाम



संवाददाता–देवरिया। जिले के रुद्रपुर कोतवाली के कोरवा में एक महिला की मौत के मामले में शनिवार को लोग आक्रोशित हो गए और गांव के सामने पोस्टमार्टम के बाद शव रखकर जाम कर दिया। साथ ही एक अधिवक्ता पर कार्रवाई की मांग करने लगे। एक घंटे बाद पहुंची पुलिस ने समझा–बुझाकर शांत कराया। साथ ही कार्रवाई का आश्वासन दिया। इसके बाद परिजन अंतिम संस्कार को तैयार हो गए।

रुद्रपुर कोतवाली के ग्राम कोरवा दलित बस्ती की रहने वाली इंद्रावती 50 वर्ष पत्नी बाबूराम की गुरुवार की रात मौत हो गई। शुक्रवार की सुबह परिजन दरवाजे पर शव लेकर बैठ गए और उनका आरोप था कि गांव की एक अधिवक्ता परिवार को परेशान करती है। जिसके चलते उनकी मौत हुई है। ऐसे में उस अधिवक्ता के विरुद्ध कार्रवाई हो, इसके बाद ही अंतिम संस्कार किया जाएगा।

मौके पर पहुंची पुलिस शव को कब्जे को लेकर पोस्टमार्टम को भेज दी। पोस्टमार्टम के बाद शनिवार की सुबह गांव के सामने सड़क पर शव रख कर जाम कर दिया। साथ ही आरोपी पर कार्रवाई की मांग करने लगे।

रुद्रपुर, मदनपुर पुलिस पहुंची और समझा–बुझाकर शांत कराया। साथ ही कार्रवाई करने का आश्वासन दिया।

पैर फिसलने से पोखरे में गिरा व्यक्ति, तलाश में जुटी एनडीआरएफ



संवाददाता–महराजगंज। बृजमनगंज थाना क्षेत्र के बंजरहा गांव के फुलवरिया टोले में शुक्रवार शाम पोखरे में गिरने से 38 वर्षीय ओमप्रकाश लापता हो गया। पैर फिसलने से पोखरे में गिरने की आशंका है। रात भर ग्रामीणों ने जाल डालकर तलाश की, लेकिन उसका पता नहीं चला। शनिवार सुबह एनडीआरएफ की टीम पोखरे में उतरकर तलाश में जुट गई।फुलवरिया निवासी ओमप्रकाश (38) पुत्र रामदास शुक्रवार शाम पोखरे में गिर गया। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल पोखरे में जाल डालकर तलाश शुरू की, लेकिन रातभर कोई सफलता नहीं मिली। शनिवार सुबह करीब 10 बजे एनडीआरएफ की टीम ने मोर्चा संभालते हुए तलाशी अभियान शुरू किया।

मौके पर बृजमनगंज पुलिस भी तैनात है।ओमप्रकाश की पत्नी कमलावती, बेटे अरुण और बेटियां नंदनी व प्रीती का रो–रोकर बुरा हाल है। हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी घटना को लेकर मातम पसरा है।

फंदे से लटका मिला महिला का शव, जांच में जुटी पुलिस



संवाददाता–महराजगंज। श्यामदेउरवां थाना क्षेत्र के बड़हरा बरईपार गांव में शनिवार सुबह एक महिला का शव कमरे में पंखे की कुंडी से फंदे के सहारे लटका मिला। घटना की जानकारी होते ही परिजनों में चीख–पुकार मच गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।बड़हरा बरईपार निवासी मनोज गिरी की पत्नी सरोज देवी (35) शुक्रवार रात परिवार के साथ खाना खाने के बाद अपने कमरे में सोने चली गई थी। परिवार के अन्य सदस्य भी अपने–अपने कमरों में सो गए। शनिवार सुबह जब परिजन जागे तो सरोज का शव कमरे में पंखे की कुंडी से लटका मिला।

यह देख परिवार में कोहराम मच गया। सरोज का मायका कुशीनगर जिले के तमकुहीराज क्षेत्र के कोईदी गांव की रहने वाली थी। उसकी शादी 15 वर्ष पहले मनोज गिरी के साथ हुई थी। उसके दो बच्चे कृष्णा (14) और परिधि (9) हैं। मां की मौत से दोनों बच्चों का रो–रोकर बुरा हाल है।इस संबंध में थानाध्यक्ष महेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर जांच कर रही है।

652 कर्मियों के कंधों पर 14 लाख उपभोक्ताओं को रोशन करने का भार

संवाददाता–गोण्डा। कहीं घंटों बिजली गुल, कहीं बार–बार ट्रिपिंग तो कहीं फाल्ट ठीक होने के इंतजार में गुजरती रात... बिजली कटौती को लेकर उपभोक्ताओं का आक्रोश अक्सर सड़कों पर दिखाई देता है। इस बदहाल व्यवस्था के पीछे एक ऐसी तस्वीर भी है, जो विभाग की कार्य क्षमता पर सवाल खड़े करती है। 14 लाख से अधिक उपभोक्ताओं को रोशन रखने वाले बिजली विभाग की अपनी व्यवस्था ही कर्मचारियों की भारी कमी से जूझ रही है। हालात यह हैं कि बिजली नेटवर्क का संचालन महज 652 कर्मियों के भरोसे चल रहा है। देवीपाटन मंडल के गोंडा, बलरामपुर, बहराइच और श्रावस्ती में 114 विद्युत उपकेंद्रों के माध्यम से आपूर्ति की जाती है। अवर अभियंता से लेकर विभिन्न श्रेणियों के कर्मचारियों के 3840 स्वीकृत पदों के सापेक्ष केवल 652 कर्मियों की तैनाती बताई गई है। वहीं 2298 पद रिक्त हैं।

देवीपाटन मंडल में अवर अभियंता (जेई) के 78, तकनीकी सहायकों के 645, श्रमिकों के 1539 और कुशल श्रमिकों के 645 पद खाली हैं। यही कर्मचारी बिजली लाइनों की निगरानी, फाल्ट खोजने, तारों और उपकरणों की मरम्मत तथा शिकायतों के निस्तारण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। लाइन फाल्ट की घटनाएं बढ़ती हैं, तब सीमित कर्मचारियों पर कई क्षेत्रों की जिम्मेदारी आ जाती है।



एक ही टीम को अलग–अलग स्थानों पर दौड़ना पड़ता है। नतीजतन मरम्मत में देरी होती है और उपभोक्ताओं को बिजली बहाली के लिए घंटों इंतजार करना पड़ता है। मुख्य अभियंता बिजली यदुनाथ यथार्थ ने कहा कि अवर अभियंता सहित अन्य कर्मियों की सूचना विभाग को भेजी गई है। आपात स्थिति में विभिन्न फर्मों के माध्यम से लाइन को सही कराकर आपूर्ति बहाल कराई जाती है।

डीएम दिखे शिक्षक की भूमिका में, बच्चों को पढ़ाकर परखी शिक्षा की गुणवत्ता

संवाददाता–देवरिया। डीएम मधुसूदन हुल्गी एक बार फिर शनिवार को एक शिक्षक की भूमिका में नजर आए। भाटपाररानी क्षेत्र के कंपोजिट विद्यालय बेलपार पंडित, प्राथमिक विद्यालय जसूई तथा प्राथमिक विद्यालय मोतीपुर भुवाल का निरीक्षण किया।

कंपोजिट विद्यालय बेलपार पंडित में डीएम ने कक्षाओं में पहुंचकर बच्चों से पढ़ावाया तथा उनसे सवाल पूछकर उनकी शैक्षणिक समझ एवं पढ़ाई के स्तर को परखा। प्राथमिक विद्यालय जसूई के निरीक्षण के दौरान कार्यों में लापरवाही पाए जाने पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी जताई। उन्होंने संबंधित दो अध्यापकों का वेतन रोकने के निर्देश दिए।



डीएम ने कहा कि विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार शासन की प्राथमिकताओं में शामिल है। शिक्षकों की उपस्थिति, नियमित शिक्षण कार्य और बच्चों के सीखने के स्तर पर विशेष ध्यान दिया जाए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को विद्यालयों का नियमित निरीक्षण करने तथा शिक्षण व्यवस्था में अपेक्षित सुधार सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए। एसडीएम दीपराज सिंह, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ राम जियावन समेत अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

खाद लेने समिति पर पहुंचे किसान तो नहीं मिले सचिव, प्रदर्शन

संवाददाता–महराजगंज। साहन सहकारी समिति पनियरा में शनिवार को उस समय किसानों का आक्रोश फूट पड़ा, जब भीड़ जुटने के बाद सचिव खिसक लिए। नाराज किसानों ने विरोध प्रदर्शन किया। किसानों का आरोप था कि सचिव ने कुछ लोगों को खाद दिया और तमाम किसानों का पासबुक जमा कराकर खिसक लिए। इससे लोगों का गुस्सा फूट पड़ा। यह भी आरोप लगाया जाने लगा कि यहां निर्धारित मूल्य से इतर लिया जा रहा है। यही हाल है और किसी दिन किसानों को नियमानुसार खाद नहीं मिल पा रही है।



किसानों का कहना रहा कि मौसम बरसात से धान की कटाई में देरी हो गयी। इसके बाद किसान गेहूं की बुआई के लिए जुटे हैं। डीएपी, एनपीके के लिए किसान मारे–मारे फिर रहे हैं। समितियों पर सुबह से ही लोग जुट जा रहे। पनियरा समिति पर मौजूद किसान चंद्रभान, सुनील सहानी, मनोज सिंह, महेंद्र मल्ल, गोवर्धन आदि ने बताया कि डीएपी के लिए सुबह सात बजे से लाइन में लगे हैं। सचिव आये और दो चार लोगों को खाद देकर खिसक लिए।

वहीं साधन सहकारी समिति पनियरा के अध्यक्ष के प्रतिनिधि सतीश सिंह ने बताया कि सचिव व कर्मचारी गायब हैं। बुलाने पर भी नहीं आ रहे हैं। इस ध्वाबत एडीओ को आपरेटिव रणजीत सिंह ने बताया कि शुक्रवार को इस समिति पर 15 मिट्रीक टन डीएपी आई है। वहीं, समिति के सचिव जयहिंद वर्मा का कहना है कि सर्वर डाउन है। इसलिए पैसा जमा करने बैंक चले गए थे।

बस की ठोकर से बाइक सवार व्यक्ति की मौत, दो गंभीर

संवाददाता–देवरिया। देवरिया–सलेमपुर मार्ग पर मनिहारी गांव के समीप शनिवार की दोपहर अनुबंधित बस ने दो बाइक को ठोकर मार दिया। जिससे बाइक सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो लोग घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज पहुंचाया गया। मौके पर पहुंची पुलिस ने बस को कब्जे में ले लिया।



खुखुन्दू थाना क्षेत्र के मुजरी खुर्द गांव निवासी अरुण प्रसाद (55) पुत्र राम आधार प्रसाद अपने बेटे साधु के साथ बाइक से सलेमपुर जा रहे थे। अभी यह मनिहारी गांव के समीप पहुंचे थे कि सलेमपुर की तरफ से तेज गति से आ रही एक अनुबंधित बस सामने से टक्कर मार दी। साथ ही सलेमपुर की तरफ से मटियरा की तरफ जा रहे मटियरा गांव निवासी नरसिंह ठाकुर (65) पुत्र स्वामीनाथ की भी बाइक को अनुबंधित बस ने ठोकर मार दिया। जिससे तीनों लोग घायल हो गए। लोगों के सहयोग से तीनों लोगों को उपचार के लिए सीएचसी सलेमपुर पहुंचाया गया, जहां चिकित्सक ने अरुण को मृत घोषित कर दिया, वहीं साधू व दूसरे बाइक पर सवार नरसिंह ठाकुर की हालत गंभीर देख महर्षि देवरहा बाबा मेडिकल कालेज रेफर कर दिया गया।

बिगही से लेकर पुरैना तक सलेमपुर–देवरिया मार्ग पर मरम्मत का कार्य शनिवार को हो रहा था। इसलिए बिगही से लेकर पुरैना तक केवल एक ही लेन यानी देवरिया–सलेमपुर मार्ग पर ही दोनों तरफ के वाहन आ–जा रहे थे। लोगों का कहना है कि अचानक एक ही लेन पर दोनों तरफ से वाहनों के आने के चलते हादसा हो गया और पिता की जान चली गई, जबकि बेटा घायल हो गया।

हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने सीएचसी पहुंचने में हुई देरी को लेकर नाराजगी जताई। उनका आरोप है कि बस स्टैंड से रेलवे स्टेशन तक आए दिन जाम की स्थिति बनी रहती है। इससे दुर्घटना में घायल लोगों को समय से अस्पताल पहुंचाने में काफी दिक्कतों का सामना करनी पड़ती हैं।

फरमाइशी गाने को लेकर मारपीट में छह घायल, एक की हालत गंभीर

संवाददाता–कुशीनगर। आर्केस्ट्रा के दौरान फरमाइशी गाने को लेकर घराती–बराती ही आपस में भीड़ गए। जमकर मारपीट हुई। चाकूबाजी में घराती पक्ष का एक युवक घायल हो गया। दोनों पक्षों से छह लोग घायल हो गए। घरातियों ने बरात में आई छह कारों के शीशे तोड़ दिए। विशुनपुरा थाने के गांव पृथ्वीपुर में शुक्रवार की रात 12 बजे हुई इस घटना के बाद ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। पुलिस से मारपीट में शामिल दोनों से छह लोगों को हिरासत में लेकर थाने ले गई।



चाकू से घायल बिट्टू पासवान के भाई रिंकू की तहरीर पर एक नामजद सहित छह अज्ञात पर हत्या के प्रयास व एससीएसटी एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। बता जा रहा है कि कुबेरस्थान थाना के गांव सिसवां के टोला रामनगर के नंदलाल यादव के पुत्र धनंजय यादव की बरात ग्राम पंचायत पृथ्वीपुर के कन्हैया यादव के पुत्री रूमा से शादी के लिए आई थी। बराती नाश्ता कर रहे थे। शादी की रस्म अभी शुरू हुई थी कि आर्केस्ट्रा में फरमाइशी संगीत को लेकर बरातियों की तरफ के गुड्डू कुशवाहा व घरातियों की ओर से बिट्टू पासवान के बीच कहासुनी होने लगी जो मारपीट में बदल गई। इसी बीच बिट्टू के पेट में किसी ने चाकू घोंप दिया। बराती आनन फानन में उसको सीएचसी दुदही भिजवाए, नाजुक हालत में जिला अस्पताल, बाद में गोरखपुर मेडिकल कालेज अस्पताल रेफर कर दिया गया। आक्रोशित युवक के स्वजन सहित ग्रामीणों ने बरातियों को पीटा। आधा दर्जन कार के शीशे तोड़ डाले।

दूल्हे के भाई अजय यादव ने एसपी केशव कुमार को सूचना दी। विशुनपुरा थाना पुलिस छह लोगों को पकड़ कर थाने ले गई। थानाध्यक्ष शनि कुमार जावला न बताया कि मामले की जांच की जा रही है। मुख्य आरोपित हिरासत में है।

दस साल बाद भी अटकी शिक्षकों की पदोन्नति

संवाददाता–देवरिया। बेसिक शिक्षा परिषद के सचिव ने 7 नवंबर तक पदोन्नति प्रक्रिया पूरी करने के निर्देश दिए थे। इसके तहत पहले वरिष्ठता सूची तैयार कर आपत्तियों का निस्तारण किया जाना था। इसके बाद अंतिम सूची जारी कर रिक्त पदों के आधार पर पदोन्नति की प्रक्रिया आगे बढ़नी थी। हालांकि, जिले में वरिष्ठता सूची अब तक अंतिम रूप नहीं ले सकी है।

विभाग की ओर से प्राथमिक स्कूलों में प्रधानाध्यापक और उच्च प्राथमिक स्कूलों में सहायक अध्यापक व प्रधानाध्यापक के रिक्त पदों की संख्या भी सार्वजनिक नहीं की गई है। इससे शिक्षकों को पदोन्नति के संभावित अवसरों की जानकारी नहीं मिल पा रही है। शिक्षक संगठनों ने वरिष्ठता सूची के साथ रिक्त पदों का विवरण भी जारी करने की मांग की है।

शुक्रवार को स्पेशल टीईटी का परिणाम जारी होने के बाद पदोन्नति की उम्मीद बढ़ गई है। विभागीय सूत्रों के मुताबिक, परीक्षा में शामिल शिक्षकों के लिए पद सुरक्षित रखने के निर्देश दिए गए थे। परीक्षा में सफल शिक्षकों को पदोन्नति का लाभ मिलने की संभावना है, लेकिन असफल शिक्षकों की पदोन्नति को लेकर स्थिति स्पष्ट नहीं है।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ के जिला उपाध्यक्ष देव शरण सिंह ने वरिष्ठता सूची में गड़बड़ियों पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि पदोन्नति में टीईटी लागू नहीं होना चाहिए।

वरिष्ठता सूची में विसंगतियों को दूर कर निर्धारित मानकों के आधार पर पदोन्नति प्रक्रिया पूरी की जाए, ताकि शिक्षकों के साथ अन्याय न हो।

सीएचसी शिलान्यास के दौरान भिड़े सांसद और विधायक के समर्थक, नारेबाजी के बाद हाथापाई

संवाददाता–सिद्धार्थनगर। बढ़नी में 19.66 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम में शनिवार को जनप्रतिनिधियों के समर्थकों के बीच जमकर घमासान हुआ। जिंदाबाद के नारों के बीच शुरू हुई कहासुनी देखते ही देखते हाथापाई में बदल गई। सांसद जगदंबिका पाल और शोहरतगढ़ विधायक विनय वर्मा के समर्थक आमने–सामने आ गए। मंच पर भी धक्का–मुक्की और मारपीट हुई। इससे कार्यक्रम स्थल पर अफरातफरी मच गई। विधायक ने अपने कार्यकर्ता प्रदीप कमलापुरी की बेरहमी से पिटाई का आरोप लगाते हुए पुलिस अधीक्षक को वीडियो भेजकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं, सांसद ने मारपीट में अपने समर्थकों की संलिप्तता से इन्कार करते हुए इसे जनता की नाराजगी का परिणाम बताया है। शनिवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र परिसर में



सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के निर्माण कार्य का शिलान्यास एवं भूमिपूजन कार्यक्रम आयोजित था। दोपहर करीब 12ः30 बजे सांसद जगदंबिका पाल अपने समर्थकों के साथ कार्यक्रम में पहुंचे। इस दौरान उनके समर्थक विकास पुरुष जगदंबिका पाल के समर्थन में नारे लगा रहे थे, जबकि मंच से विधायक विनय वर्मा के समर्थन में जिंदाबाद के नारे लगाए जा रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी शुरू हो गई। देखते ही देखते विवाद बढ़ गया। सांसद के कुछ समर्थक मंच पर पहुंच गए और विधायक के समर्थकों से भिड़ गए। इसी दौरान प्रदीप कमलापुरी की पिटाई भी हुई। मौके पर मौजूद लोगों ने बीच–बचाव कर किसी तरह मामला शांत कराया। खास बात यह रही कि कार्यक्रम स्थल पर पुलिस बल की मौजूदगी के बावजूद मारपीट की घटना हुई। घटना के दौरान विधायक विनय वर्मा कार्यक्रम स्थल पर मौजूद नहीं थे। वह कुछ देर बाद पहुंचे। इसके बाद सांसद और विधायक एक साथ मंच पर दिखाई दिए। हालांकि, मंच पर साथ नजर आने के बावजूद दोनों पक्षों के बीच हुए विवाद को लेकर आरोप–प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। विधायक विनय वर्मा ने कहा कि पुलिस बल की मौजूदगी में उनके कार्यकर्ता प्रदीप कमलापुरी को बेरहमी से पीटा गया। यह गुंडागर्दी की पराकाष्ठा है। उन्होंने पुलिस अधीक्षक को घटना का वीडियो भेजकर दोषियों पर कार्रवाई की मांग की है। कार्रवाई नहीं हुई तो मामला उच्च स्तर तक उठाएंगे। सांसद जगदंबिका पाल ने कहा कि प्रदीप कमलापुरी को जनता ने पीटा है, उनके किसी समर्थक ने नहीं। उनके लोग गाली–गलौज कर रहे थे, जिससे जनता नाराज हुई। उन्होंने हाथ जोड़कर लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। करीब 20 करोड़ की परियोजना में आमंत्रित न किए जाने पर भी उन्होंने सवाल उठाए।

विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी

संवाददाता–संतकबीरनगर। खलीलाबाद स्थित नेहरू कृषक इंटर कॉलेज में शनिवार को संविधान संवाद कार्यक्रम हुआ। इसमें विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना पढ़ी और उन्हें संविधान के बारे में बताया गया। कार्यक्रम जनपद न्यायाधीश रणधीर सिंह के निर्देशन और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव व न्यायिक अधिकारी अनन्या साह की पहल पर हुआ। इसकी अध्यक्षता लीगल एड डिफेंस काउंसिल सिस्टम के चीफ अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने की। अन्जय कुमार श्रीवास्तव ने विद्यार्थियों को संविधान, मौलिक अधिकारों, कर्तव्यों और कानून के प्रति जागरूक रहने की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि संविधान नागरिकों को अधिकार देने के साथ उनके कर्तव्यों का भी बोध कराता है। उन्होंने विद्यार्थियों से संविधान की मूल भावना समझने और समानता, स्वतंत्रता व न्याय के सिद्धांतों का सम्मान करने को कहा। प्रस्तावना का वाचन कराकर उन्होंने उसके उद्देश्यों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि संविधान की जानकारी हर नागरिक के लिए जरूरी है।

खड़े ट्रक से टकराई बाइक, चाचा–भतीजे समेत तीन की मौत

संवाददाता–संतकबीरनगर। सड़क किनारे खड़े ट्रक में बाइक घुसने से चाचा भतीजे समेत 3 की मौत हो गई। तीनों रात करीब 2 बजे बारात से घर लौट रहे थे। इसी दौरान उनकी बाइक सड़क किनारे खड़े ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों की मौके पर ही मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इसके बाद परिजनों को घटना की सूचना दी गई। जानकारी मिलते ही परिजन रोते–बिलखते अस्पताल पहुंचे। मामला जिला मुख्यालय से करीब 30 किलोमीटर दूर धनघटा थाना क्षेत्र के तेलियागंज–रामजानकी मार्ग का है। मृतकों की पहचान वैभव (19) पुत्र दधूबल, श्याम् (21) पुत्र शिवधारी और अमित सिंह (23) पुत्र राम सहारे के रूप में हुई है। तीनों धनघटा थाना क्षेत्र के पारा हरगोविंद गांव के रहने वाले थे। जानकारी के मुताबिक, तीनों वैभव की बुआ के घर संतकबीरनगर के उंचहारे से बस्ती



जिले के मुंडेरवा बारात में शामिल होने गए थे। जानकारी के मुताबिक, तीनों युवक बारात में शामिल होने के बाद देर रात बाइक से घर लौट रहे थे। इसी दौरान धनघटा थाना क्षेत्र के तेलियागंज–रामजानकी मार्ग पर सड़क किनारे खड़े ट्रक से उनकी बाइक टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि तीनों युवकों की मौके पर ही मौत हो गई। बताया जा रहा है कि सड़क किनारे खड़े ट्रक का नंबर बीआर 44 एफ4751 था। ट्रक में पार्किंग लाइट और रिफ्लेक्टर नहीं लगे थे। इसके अलावा ट्रक ओवरलोड था और उसके पीछे नंबर प्लेट भी नहीं थी। स्थानीय लोगों का कहना है कि यदि ट्रक निर्धारित पार्किंग स्थल पर खड़ा होता और उसकी पार्किंग लाइट जल रही होती तो हादसा टल सकता था। लोगों ने यातायात नियमों का पालन नहीं करने वाले वाहनों के खिलाफ कार्रवाई करने और ऐसे वाहनों को सड़क पर खड़ा होने से रोकने की मांग की है। हादसे में तीन युवकों की मौत की खबर मिलते ही गांव में मातम छा गया। परिजनों का रो–रोकर बुरा हाल है। एक साथ तीन दोस्तों की मौत से पूरे गांव में शोक का माहौल है।

मातम में बदलीं शादी की खुशियां, सब्जी के खेत जा रहे युवक को अज्ञात वाहन ने रौंदा मौत



संवाददाता–गोरखपुर। खोराबार थाना क्षेत्र के करमहिया में शनिवार सुबह सड़क हादसे में 34 वर्षीय युवक की मौत हो गई। वह सब्जी के खेत की देखरेख करने जा रहा था। फोरलेन पार करते समय गोरखपुर से कुशीनगर की ओर जा रहे अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। हादसे में युवक की मौके पर ही मौत हो गई। घटना से परिवार में कोहराम मच गया। घर में 25 नवंबर को छोटे भाई की शादी होनी है, जिसकी तैयारियों के बीच यह हादसा हो गया।

जानकारी के अनुसार, सिकटौर करमहिया निवासी विश्वनाथ निषाद पुत्र स्व. रामलालचंद्र शनिवार सुबह करीब 8:30 बजे घर से कुछ दूरी पर स्थित अपने सब्जी के खेत में जा रहे थे। वह फोरलेन पार कर रहे थे, तभी अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। गंभीर चोट लगने के कारण उनकी मौके पर ही मौत हो गई। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची खोराबार पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले में विधिक कार्रवाई कर रही है।

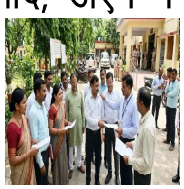
विश्वनाथ के परिवार में पत्नी सीता देवी, दो बेटियां अमृता (7) और अंजली (5) तथा तीन वर्षीय बेटा लड्डू है। वह खेती–किसानी कर परिवार का भरण–पोषण करते थे। ग्रामीणों के अनुसार, आगामी 25 नवंबर को उनके छोटे भाई लहौर की शादी होनी है। हादसे के बाद पत्नी और अन्य परिजन का रो–रोकर बुरा हाल है।

आउटसोर्स कर्मियों को निर्धारित मानदेय मिलने की जगी उम्मीद, डीएम ने दिए निर्देश

संवाददाता–संतकबीरनगर। जनपद के विभिन्न विभागों में कार्यरत आउटसोर्स कर्मियों को सामनादेश के अनुरूप न्यूनतम पारिश्रमिक का भुगतान सुनिश्चित नहीं हो रहा है। इसको लेकर उ.प्र. आउटसोर्स सेवा निगम, लखनऊ ने सभी विभागों को सख्त पत्र लिखा है। पत्र संतकबीर नगर के जिलाधिकारी कार्यालय में भी पहुंचा है। इस पर जिलाधिकारी ने अपर जिलाधिकारी को उचित कार्रवाई का निर्देश दिया है।

प्रबंध निदेशक की ओर से जारी पत्र में कहा गया है कि विभिन्न शासकीय विभागों में आउटसोर्स कर्मियों को न्यूनतम पारिश्रमिक भुगतान सुनिश्चित कराने के लिए सचिवालय प्रशासन अनुभाग ने निर्देश जारी किए थे। उक्त शासनादेश के अनुरूप पारिश्रमिक भुगतान की कार्यवाही 02 सितंबर 2026 से सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए हैं।

पत्र में कहा गया है कि विभिन्न सूत्रों के माध्यम से शासन के संज्ञान में यह तथ्य आया है कि विभागों द्वारा उक्त शासनादेश के अनुरूप भुगतान की कार्यवाई सुनिश्चित नहीं



की जा रही है, जो खेदजनक है।

इसलिए सभी विभागों को अपने अधीनस्थ विभागों व कार्यालयों को इस आशय के स्पष्ट निर्देश देने को कहा गया है कि वे शासनादेश के अनुरूप पारिश्रमिक भुगतान की कार्रवाई सुनिश्चित करते हुए सचिवालय प्रशासन विभाग को अवगत कराएं।

पत्र में यह भी उल्लेख है कि इस विषय पर शीघ्र ही उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित होनी है, जिसमें विभागों द्वारा उपरोक्तानुसार भुगतान की समीक्षा प्रस्तावित है। ऐसे में समय रहते भुगतान न कराने वाले विभागों पर कार्रवाई हो सकती है। जिले में भी कई विभागों में आउटसोर्स के माध्यम से कर्मचारी कार्यरत हैं।

इन कर्मियों को लंबे समय से कम मानदेय मिलने की शिकायत मिलती रही है। अब शासनादेश के बाद उनके मानदेय में बढ़ोतरी का रास्ता साफ हो गया है। डीएम के निर्देश के बाद एडीएम स्तर से सभी विभागों से भुगतान की स्थिति की रिपोर्ट तलब की जा रही है।

अज्ञात वाहन की टक्कर से हाथी की मौत, महावत समेत दो युवक घायल



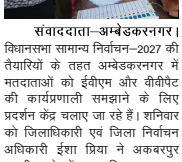
संवाददाता–गोरखपुर। बेलीपार थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह सड़क हादसे में एक हाथी की मौत हो गई, जबकि महावत समेत दो युवक घायल हो गए। राष्ट्रीय राजमार्ग–24 पर हाटा स्थित ईंट–भट्टे के सामने सुबह करीब छह बजे अज्ञात वाहन ने हाथी को जोरदार टक्कर मार दी। हादसे के बाद चालक वाहन समेत फरार हो गया। जानकारी के अनुसार, हरपुर बुदहट थाना क्षेत्र अंतर्गत झकही गांव निवासी हरीश सिंह का हाथी एक शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने गांव लौट रहा था। इसी दौरान हाटा के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उसे टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि हाथी की मौके पर ही मौत हो गई।

हादसे में सेवई गांव निवासी महावत जाफर अंसारी (20) पुत्र राजू अंसारी गंभीर रूप से घायल हो गए। वहीं, फैयाज अंसारी (15) पुत्र जियाऊ अंसारी को भी चोटें आईं। सूचना पर पहुंची बेलीपार पुलिस ने एंबुलेंस की मदद से गंभीर रूप से घायल महावत को जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसे के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। पुलिस फरार वाहन और उसके चालक की तलाश में जुटी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ मां के निधन पर निगम सदन में दी श्रद्धांजलि

संवाददाता–गोरखपुर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पूज्य माता सावित्री देवी के निधन पर शनिवार को नगर निगम सदन कक्ष में शोकसभा आयोजित हुई। महापौर डॉ. मंगलेश कुमार श्रीवास्तव, नगर आयुक्त अजय जैन, अपर नगर आयुक्त गौरव रंजन श्रीवास्तव, अतुल कुमार, प्रमोद कुमार, मुख्य अभियंता अमित शर्मा समेत पार्षदों और नगर निगम के अधिकारियों–कर्मचारियों ने दो मिनट का मौन रखकर दिवंगत आत्मा को श्रद्धांजलि दी। शोकसभा में उपस्थित जनप्रतिनिधियों और निगम परिवार के सदस्यों ने सावित्री देवी के निधन पर गहरा दुख व्यक्त किया। सभी ने ईश्वर से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और शोकाकुल परिवार को इस अपार दुख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की। महापौर डॉ मंगलेश श्रीवास्तव ने कहा कि माँ का निधन किसी भी परिवार के लिए अपूरणीय क्षति होती है। दुख की इस घड़ी में पूरा नगर निगम परिवार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उनके परिजनों के साथ संवेदना व्यक्त करता है।

डीएम ने ईवीएम प्रदर्शन केंद्र पर मॉक वोट डाला



संवाददाता–अम्बेडकरनगर। विधानसभा सामान्य निर्वाचन–2027 की तैयारियों के तहत अम्बेडकरनगर में मतदाताओं को ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझाने के लिए प्रदर्शन केंद्र चलाए जा रहे हैं। शनिवार को जिलाधिकारी एवं जिला निर्वाचन अधिकारी ईशा प्रिया ने अकबरपुर तहसील के केंद्र का निर

डीएम ने बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट और वीवीपैट से मतदान की प्रक्रिया समझी। उन्होंने कर्मचारियों से कहा कि केंद्र पर आने वाले मतदाताओं को मतदान की प्रक्रिया आसान और साफ तरीके से समझाएं। इससे ईवीएम को लेकर उनके सवालों और शंकाओं का समाधान हो सकेगा।

केंद्रों पर डमी बैलेट पेपर और चुनाव चिह्नों के जरिए मतदान का अभ्यास कराया जा रहा है। मतदाताओं को बताया जा रहा है कि बैलेट यूनिट का बटन दबाने पर वोट कैसे दर्ज होता है। साथ ही, वीवीपैट में प्रत्याशी का चुनाव चिह्न और क्रम संख्या वाली पर्ची दिखाने की प्रक्रिया भी समझाई जा रही है।

जिला निर्वाचन कार्यालय के अलावा विधानसभा क्षेत्रों के तय तहसील मुख्यालयों पर भी प्रदर्शन केंद्र बनाए गए हैं। ये केंद्र रोज सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक चलेंगे। यहां तैनात प्रशिक्षित कर्मचारी ईवीएम की जानकारी देंगे और मतदाताओं के सवालों का जवाब देंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदाताओं से अपील की कि वे अपने नजदीकी प्रदर्शन केंद्र पर जाकर ईवीएम और वीवीपैट की कार्यप्रणाली समझें और जागरूकता कार्यक्रम का लाभ लें।

अदालती नोटिस

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (जू0डि0) महोदय बांसी जिला सिद्धार्थनगर स्थान द्वारा निकाली गयी उद्घोषणा

प्रकीर्ण उत्तराधिकार वाद संख्या 39/2026

1–ध्रुपचन्द्र पुत्र सर्यवली साकिन कुशलपुर तप्पा चवंर बांसी सिद्धार्थनगर

प्रार्थी/प्रार्थीगण

बनाम

सरकार

तारीख पेशी– 18.12.2026

प्रा0 पत्र अन्तर्गत दफा 372 भारतीय उत्तराधिकार अधिनियम

अपने ध्रपचन्द्र ने मृतक जयराम पुत्र सूर्यबली को देय ऋण और प्रतिभूतियों को वसूल करने के लिये प्रमाण पत्र की अभिप्राप्ति के लिये सन 1886 ई0 के अधिनियम 7 के अधीन उत्तराधिकार का आवेदन के लिये।

चूंकि आवेदकगण ने प्रमाण पत्र को अभिप्राप्ति के लिये आवेदन दिया है और सन 2026 के 12 के 18 दिवस आवेदन को सुनवाई के लिये नियत हुआ है। अतः यह उदघोषणा निकाली जाती है कि जिस किसी को उक्त आवेदन के सम्बन्ध में आपत्ति हो वह स्वयं या अभिवक्ता द्वारा ..10 बजे पूर्वान्ह न्यायालय सिविल जज (जू0डि0) महोदय बांसी में नियत दिनांक पर उप संजात होकर अपनी आपत्ति पेश करें। उक्त दिनांक के अवसान पर फिर किसी की आपत्ति न सुनी जायेगी और आवेदन के सम्बन्ध में यथोचित आदेश पारित होगा। 20 के के दिवस को दिनांकित।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

सम्मन वास्ते करारवाद उभूर तनकीह तलब

(आर्डर 5 कायदा 1 व 5)

अदालत–श्रीमान ग्राम न्यायालय रूधौली बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–180/2016

रामजीत

बनाम

श्रीमती रहसा आदि

2. सुभाष उम्र लगभग 40 साल पुत्र जगमोहन 3. गोले उम्र लगभग 65 साल पुत्र विशेसर साकिनान मौजा गनवरिया कला तप्पा रूधौली परगनाम मगहर पश्चिम तहसील रूधौली जिला बस्ती

तारीख पेशी 05–12–2026

हरगाह ने आपके नाम नालिश बाबत के दायर की है। लिहाजा आपक 05 माह 12 सन 2026 ई0 बवक्त 10 बजे दिन असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमें के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालात का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके इजहार के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजवीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज जो जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तेमाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

–द0 हाकिम

अदालती नोटिस

वाद के निपटारे के लिये सम्मन (आदेश 5 के नियम 1 और 5 ब्0प्0र्0 संहिता 1908)

मूलवाद सं0–162/2026

न्यायालय– श्रीमान सिविल जज (सी0डि0) महोदय सिद्धार्थनगर

जिला– सिद्धार्थनगर

पीताम्बर

बनाम

भरत कुमार आदि

1. भरत कुमार उम्र करीब 56 साल पुत्र सुखदेव 2. फणीश कुमार पाण्डेय उम्र करीब 50 साल पुत्र कृष्णपति पाण्डेय उर्फ कोके 3. हरीश कुमार पाण्डेय उम्र करीब 58 साल 4. गिरीश कुमार पाण्डेय उम्र करीब 56 साल पुत्रगण कृष्णपति पाण्डेय उर्फ कोके समस्त निवासीगण ग्राम परसोहिया पोस्ट बढ़नी बाजार तप्पा ढेबरूआ परगना नौगढ़ तहसील शोहरतगढ़ जिला सिद्धार्थनगर

तारीख पेशी 24–01–2027

प्रतिवादी ने आपके विरूद्ध के लिये वाद संस्थित किया है। आपको इस न्यायालय में दिनांक **24–01–2027** को दिन में 10 बजे वाद का उत्तर देने के लिये उपसंजात (हाजिर) होने के लिये समन किया जाता है। आप न्यायालय में स्वयं या किसी ऐसे अधिवक्ता प्लीडर द्वारा उप संजात हो सकते हैं। जिसे सम्यक अनुदेश दिये गये हों और जो बात से सम्बंधित सभी साक्यान प्रश्नों का उत्तर दे सके या जिसके साथ ऐसा कोई व्यक्ति हो जो ऐसे सब प्रश्नों का उत्तर दे सके न्यायालय में आपके उप संजात के लिये जो दिन नियत किया गया है वह इस वाद के अन्तिम निपटारे के लिये नियत दिन है। इसलिये आपको उस दिन अपने उन सब साक्षियों को या उन सब दस्तावेजों को पेश करने के लिये तैयार रहना चाहिये जिन पर आप अपनी प्रतिरक्षा के लिये निर्भर रहना चाहते हैं।

आपको सूचित किया जाता है कि यदि अगर ऊपर बतायी गयी तारीख को इस न्यायालय में उपसंजात नहीं होंगे तो वाद की सुनवाई और उसका निपटारा आपकी अनुपस्थिति में किया जायेगा।

यह आज तारीख 20.11.2026 को मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा लगाकर दिया गया है।

न्यायाधीश

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–C 202617000000212

गिरजेश

बनाम

हरीराम आदि

1. हरीराम पुत्र खेदू साकिन अमरौना तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती

–विपक्षी प्रथम वर्ग

2. रामकेवल पुत्र हरीराम 3. राम आशीष 4. प्रिंश पुत्रगण बाबूराम साकिनान अमरौना तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –विपक्षी द्वितीय वर्ग

5. राजेन्दर पुत्र राम निहोर साकिन कुसुम्ही बुजुर्ग भिखारीजोत पुरवा तप्पा पिपरा परगना नगर पूरब तहसील व जिला बस्ती –विपक्षी तृतीय वर्ग

6. रामनसीब पुत्र चन्द्रिका 7. राजमती 8. श्रीमत्ती पुत्रीगण राम अचल 9. अशोक कुमार पुत्र विन्देश्वरी साकिनान मौजा अमरौना तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –विपक्षीगण चतुर्थ वर्ग

12. ग्राम पंचायत मकदूमपुर तप्पा कबरा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती द्वारा प्रधान /अध्यक्ष –विपक्षी पंचम वर्ग

तारीख पेशी 26–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

अदालती नोटिस

इत्तिलानामा बनाम रेपान्डेन्ट बावत इत्तिला तारीख मुकर्ररह समायत अपील

अदालत–श्रीमान अपर आयुक्त (न्यायिक) बस्ती मण्डल महोदय बस्ती जिला–बस्ती

वाद सं0–C 202617000000763

रामलौट आदि

बनाम

श्रीमती रामावती आदि

1. श्रीमती रामावती पत्नी स्व0 रामसुन्दर 2. मनोज कुमार 3. विनोद कुमार 4. अशोक कुमार पुत्रगण स्व0 रामसुन्दर 5. चन्दा पुत्र रामसुन्दर 6. राममुन्नर पुत्र खुशरु साकिनान मौजा कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –विपक्षीगण प्रथम वर्ग

7. मेवालाल पुत्र बृजलाल 8. राकिश कुमार 9. प्रेमचन्द्र 10. जय प्रकाश 11. राजेश कुमार पुत्रगण रामलौट साकिनान मौजा कुदरहा तप्पा कुदरहा परगना महुली पश्चिम तहसील व जिला बस्ती –विपक्षीगण द्वितीय वर्ग

तारीख पेशी 27–11–2026

अपील बनराजी अदालत मुकाम बस्ती

मयरिखा महीना सन् 20 ई0 रेस्पान्डेन्ट

इत्तिला दी जाती है कि अपील बनराजी डिगरी इस मुकदमें में मुसम्मी ने पेश इस अदालत में दर्ज रजिस्टर हुआ और इस अदालत व तारीख 27 महीना 11 सन 2026 ई0 वास्ते जमानत तथा अपील मुकर्रर का है। अगर खुद या आपके वकील या और शख्स जो कानूनन आपकी तरफ से अपील हाजा में जबाब सवाल करने वाजिद हो हाजिर न आयेगा तो उसकी समायत और तजवीज आपकी गैर हाजिरी में एकतरफा हो जायेगी।

आज बतारीख 21 माह 11 सन 2026 ई. मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के हवाले किया गया।

द0 हाकिम

खेलने के लिए मोबाइल न देने पर किशोर ने फांसी लगाकर दी जान

संवाददाता–अम्बेडकरनगर। कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम गौरा गूजर में खेलने के लिए मोबाइल ना मिलने पर एक किशोर ने शुक्रवार की रात्रि में फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। परिजन रात्रि में ही मेडिकल कालेज ले गये जहां चिकित्सक ने मृतक घोषित कर दिया। परिजन झूला झूलते समय गले में रस्सी फंसना कारण बता रहे हैं । कोतवाली टांडा क्षेत्र के ग्राम गौरा गूजर निवासी राम कृपाल का 10 वर्षीय नाबालिक पुत्र आर्यन बीते शुक्रवार की रात्रि में मोबाइल फोन खेलने के लिए मांगा परंतु परिजनों द्वारा डांट देने से आहत आर्यन घर के अंदर जाकर गुस्से में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर लिया। कुछ देर बाद परिजन उसे ढूंढते हुए अंदर कमरे में पहुंचे तो देखा और उसे आनन–फानन में महामाया राजकीय एलोपैथिक मेडिकल कॉलेज सदरपुर ले गए जहां चिकित्सकों ने मृतक घोषित कर दिया और मेमो मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी भेज दिया। मेडिकल कॉलेज पुलिस चौकी इंचार्ज उप निरीक्षक हर्षिका पांडे ने शव का पंचायतनामा भरकर पोस्टमार्टम करा परिजनों को सौंप दिया।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सिद्धार्थ विश्वविद्यालय, कपिलवस्तु, सिद्धार्थनगर (उ.प्र.) का बीएड द्वितीय वर्ष का अनुक्रमांक 17220017210020 का अंकपत्र वास्तव में खो गया है।

महेन्द्र कुमार

पुत्र श्री नन्दराम

ग्राम–शेखपुरा, पोस्ट–कलवारी

जनपद–बस्ती, उत्तर प्रदेश

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा सही नाम महेन्द्र पाल सिंह पुत्र बम बहादुर सिंह है। जो सभी सरकारी अभिलेखों में अंकित है। त्रुटिवश मेरे आधार कार्ड संख्या 645676400518 में मेरा नाम महेन्द्र प्रताप सिंह अंकित हो गया है। जो कि गलत नाम है। भविष्य में हमें सही नाम महेन्द्र पाल सिंह के नाम से जाना व पहचाना जाए।

महेन्द्र पाल सिंह

पुत्र बम बहादुर सिंह

ग्राम व पोस्ट– कनैला खास

थाना– कलवारी

जिला– बस्ती

दैनिक भारतीय बस्ती

संस्थापक सम्पादक स्व. दिनेश चन्द्र पाण्डेय

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुद्रित एवं प्रकाशित।

प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह

संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय

अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय–

चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट

अयोध्या–फैजाबाद

लखनऊ कार्यालय–

आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच कानपुर रोड लखनऊ।

गोरखपुर कार्यालय–

इलाहीबाग गोरखपुर।

मो0 9336715406, 8400925463

ई.मेल bhartiyabasti@gmail.com dainikbhartiyabasti@gmail.com